



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 08]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 7, 2014/पौष 17, 1935

No. 08]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 7, 2014/PAUSHA 17, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय(

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 2014

(प्रारंभिक जांच परिणाम)

विषय:- यूरोपियन यूनियनपी के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम .उक्रेन तथा कोरिया आर ,गण.चीन जन , नाइट्रेट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच का प्रारंभिक जांच परिणाम—के संबंध में।

फा. सं .15/1009/2012डीजीएडी-.— समय अधिनियम प्रशुल्कसमय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क-, 1975 जिसे)एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है उन पर पाटनरोधी शुल्क ,ओं की पहचानपाटित वस्तु) प्रशुल्कऔर सीमाशुल्क (,नियमावली (का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण1995 जिसे)एतदपश्चात नियमावली कहा गया हैन में को ध्या (रखते हुए।

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स दीपक नाइट्राइट (त प्राधिकारी कहा गया हैजिसे एतदपश्चा) ,गण.चीन जन , हुआ जिसमें यूरोपियन यूनियनपुणे से एक लिखित आवेदनपत्र प्राप्त ,लिमिटेड, उक्रेन और कोरिया आरपी . के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्रेट के कथित पाटनके संबंध में ,जिससे घरेलू उद्योग को क्षति होती है , पाटनरोधी जांच प्रारंभ करने का प्राधिकारी से अनुरोध किया गया है।

ख. प्रक्रिया

2. :लिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया हैइस जांच में निम्न

i. तजिसे एतदपश्चा) प्राधिकारीनिर्दिष्ट प्राधिकारी कहा गया हैगण.चीन जन ,यूरोपियन यूनियन ,ने (., उक्रेन और कोरिया आर.पी. जिन्हें) एतदपश्चात सम्बद्ध देश कहा गया है के मूल के अथवा वहां से निर्यातित (

सोडियम नाइट्रेट अथवा एसएनए अथवा उत्पादक वस्तु (सम्बन्धित वस्तु) कहा गया है, के कथित पाटन (घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स दीपक, का आरोप लगाते हुए, जो घरेलू उद्योग को क्षति कारित कर रहा है) त होने के पश्चात् लिखित आवेदनपत्र प्राप्त (त आवेदक कहा गया है) जिसे एतदपश्चात् पुणे, नाइट्राइट लिमिटेड की शुरुआत को न्यऔर साक्ष्योचित ठहराते हुए आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्यों के आधार पर य किया। के आयातों के विरुद्ध जांच करने का निश्चिद्ध देशों से संबद्ध वस्तुसम्ब, ,

ii. 5 नियम-पाटनरोधी नियमावली के उप, प्राधिकारी ने (5) के अनुसार जांच की शुरुआत की प्रक्रिया से पूर्व भारत-उक्रेन और कोरिया आरपी के, चीन, में स्थित यूरोपियन यूनियन के प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली, होने के बारे में सूचित किया। राजदूतावासों को पाटन के आरोप का आवेदनपत्र प्राप्त

iii. के आयातों से संबंधित पाटनरोधी वस्तु देशों से सम्बन्धित जांच की शुरुआत करते हुए प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, जून 05 असाधारण में दिनांक, 2013 को प्रकाशित सार्वजनिक सूचना संख्या 15/1009/2012-डीजीएडी जारी किया। प्राधिकारी ने जांच अवधि को अक्टूबर, 2011, रदिसम्ब-2012 तक परिवर्तित करने के लिए दिनांक, जुलाई 6201 को एक 3 शुद्धिपत्र जारी किया।

iv. प्राधिकारी ने इस सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों जिनका विवरण आवेदन में) 6 पाटनरोधी नियमावली के नियमको प्रेषित की और उन्हें (कराया गया था उपलब्ध (2) के अनुसार जांच की शुरुआत के संबंध में पत्राचार की तारीख से चालीस दिनों के अंदर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराने का अवसर प्रदान किया ।

v. के सभी ज्ञात वस्तु सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में सम्बन्धित प्राधिकारी ने उक्त सुझाव दिया कि वे जांच की शुरुआत के बारे में पत्राचार की ओ को भी प्रेषित की और उन्हें प्रयोक्ता/आयातकों तारीख से चालीस दिनों के अंदर अपने विचारों से लिखित रूप से अवगत कराएं।

vi. प्राधिकारी ने आवेदनपत्र के अगोपनीय पाठ की एक प्रति पाटनरोधी नियमावली के अनुसार सभी ज्ञात निर्यातकों के भारत स्थित, उक्रेन तथा कोरिया आर, भारत में यूरोपियन यूनियन के प्रतिनिधिमंडल और चीन, 6 राजदूतावासों को पाटनरोधी नियमावली के नियम (3) के अनुसार प्रदान कराई। आवेदनपत्र की एक प्रति जहां, हितवद्ध पक्षकारों को भी प्रदान कराई। अन्य, कहीं अनुरोध किया गया

vii. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार सम्बद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों गण के, जिसमें चीन जन, वलियां भेजीको प्रश्ना (कराया गया) जिनका विवरण आवेदनपत्र में उपलब्ध) वली दर्जा प्रश्नावस्था सभी ज्ञात निर्यातकों को बाजार अर्थव्य भी शामिल है जिससे कि वे, प्रासंगिक सूचना प्रदान कर सकें:—

(क) जेएससी "नै स्टिरालकन्स", उक्रेन

(ख) कैमो इन्वेस्ट ट्रेड यूरोप हंगरी, केएफटी,

(ग) शैन्क्सी काल्क्रीट कैमिकल कंपनी लिमिटेड चीन,

(घ) शैन्डांग जिन्हाओ कैमिकल कंपनी लिमिटेड चीन,

(ङ) जियांगडांग जिडांग कैमिकल ग्रुप कंपनी लिमिटेड चीन,

(च) जियांग गोल्डवे कैमिकल्स लिमिटेड चीन,

(छ) शानडांग हाईलैंड कैमिकल इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड चीन,

(ज) एस दक्षिण कोरिया, कैमिकल.टी.

(झ) दक्षिण कोरिया, टू इंटरनेशनल-

(ञ) मेटाकेम कार्प दक्षिण कोरिया,

(ट) सिमान लिमिटेड रियाबल्गा,

(ठ) ट्रेड सक्सेस लिमिटेड रियाबल्गा,

viii. तिकरण दायर नहीं किया। अथवा प्रस्तुतवली प्रत्युदक ने कोई भी प्रश्ना उत्पा/किसी भी निर्यातक

ix. स्थित उक्रेन के रपार मंत्रालय ने नई दिल्ली उक्रेन के आर्थिक विकास एवं व्यााजदूतावास के माध्यम से इस जांच के संबंध में अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत कीं।

x. जिनके विवरण) ओं कोप्रयोक्ता /दकोंउत्पा /लिखित ज्ञात आयातकों का भारत स्थित निम्नद्ध वस्तुसम्ब पा (कराए गए थेआवेदनपत्र में उपलब्धटनरोधी नियमावली के नियम)64क जानकारी प्रेषित के अनुसार आवश्यक (:वलियां भेजी गईकरने के लिए प्रश्ना

- (क) राजस्थान एक्सप्लोसिब्ज एंड कैमिकल्स लिमिटेडधौलपुर ,, राजस्थान
- (ख) सुपर शिव शक्ति कैमिकल्सनराजस्था ,भीलवाड़ा ,
- (ग) स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेडसगढ़छत्ती ,
- (घ) आई डी एल एक्सप्लोसिब्ज लिमिटेड हैदराबाद ,
- (ङ) स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड प्रदेशमध्य ,सिधी ,
- (च) आइडियल इण्डस्ट्रियल एक्सप्लोसिब्ज लिमिटेड राबादसिकन्द ,
- (छ) नवभारत एक्सप्लोसिब्ज लिमिटेडसगढ़छत्ती ,रायपुर ,
- (ज) सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड नागपुर ,
- (झ) महानदी मेटल्स एंड कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड उड़ीसा ,रगढसुन्द ,
- (ञ) वेट्रिवेल एक्सप्लोसिब्ज प्राइवेट लिमिटेड सेलम ,थुराइयूर ,
- (ट) बंगल ,क इनर्जीज लिमिटेडकेल्टौर
- (ठ) ग्रौर वील दादरा ,लिमिटेड (इंडिया)
- (ड) इन्द्रजीत इंडस्ट्रीज लिमिटेड बंगलौर ,
- (ढ) वलसाड ,उमरगांव ,हार्डकैसल पेट्रोफर प्राइवेट लिमिटेड
- (ण) जाजू कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड मालेगांव ,
- (त) जगतजीत इंडस्ट्रीजगाजियाबाद-जिला ,साहिबाबाद ,
- (थ) स्लाट ग्लास इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, भड़ौच गुजरात ,
- (द) पूजा ग्लास वर्क्स र प्रदेशउत्त ,फिरोजाबाद ,
- (ध) सेण्ट गोबैन ग्लास इंडिया लिमिटेडतमिलनाडु ,दूरश्रीपेरम्ब ,
- (न) गीता ग्लास वर्क्स र प्रदेशउत्त ,फिरोजाबाद ,
- (प) श्री बाल किशन अग्रवाल ग्लास इंडस्ट्रीज लिमिटेड र प्रदेशउत्त ,फिरोजाबाद ,
- (फ) मीरा ग्लास वर्क्स र प्रदेशउत्त ,फिरोजाबाद ,
- (ब) बिसाजा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बुडासन ,
- (भ) जगदम्बा ग्लास वर्क्स र प्रदेशउत्त ,फिरोजाबाद ,
- (म) प्रगति ग्लास वर्क्स लिमिटेड कोसाम्बा ,
- (य) एडवान्स ग्लास वर्क्स र प्रदेशउत्त ,फिरोजाबाद ,
- (कक) राष्ट्रीय कैमिकल्स एंड फर्टीलाइजर्स लिमिटेड मुंबई ,
- (खख) नेशनल फर्टीलाइजर्स लिमिटेड नोएडा ,

xi. एंड सिब्जप्लोन एक्सराजस्था :ओं नामशप्रयोक्ता/इस जांच शुरुआत अधिसूचना का केवल तीन आयातकों स इंडिया प्राइवेट लिमि ग्लास्टन स्काराजस्था ,धौलपुर , लिमिटेडकैमिकल्सटेड प आर्गेनिक्सतथा सन्दी ,भड़ौच , वली का ने कोई आयातक प्रश्नातिकरण किए परंतु उन्होंने कुछ प्रस्तुत दिया। उन्होंनेतमुंबई ने प्रत्यु ,प्राइवेट लिमिटेड त नहीं किया।र प्रस्तुतप्रत्यु

- xii. त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुताधिकारी ने विभिन्नसाक्ष्य के अगोपनीय पाठ को विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया।
- xiii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की प्राधिकारी द्वारा गोपनीयता के ता के संबंध मदावे की पर्याप्त ें जांच की गई। संतुष्ट होने परगोपनीयता के दावे के ,यथावांछित ,प्राधिकारी ने , कार कर लिया और उस जानकारी को गोपनीय केस्वीरूप में माना गया और उसका अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया। गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकारों कोजहां कह ,ीं संभव हुआयह , अगोपनीय पाठ भी प्रदान कराएं।निदेश दिया गया कि वे गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना का पर्याप्त
- xiv. हितबद्ध पक्षकारों से जरूरी समझी गई सीमा तक और अधिक जानकारी मांगी आवेदनकर्ता तथा अन्य गई।
- xv. गैर क्षतिकारी कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अंतर्गत विनिर्दिष्ट दिशानिर्देशों के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा भारत में सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत तथा उसका विनिर्माण एवं विक्री लागत के आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xvi. ,बरयह जांच अक्टू2011 से प्रारंभ करके दिसम्बर ,2012 तक की जांच की अवधि के लिए (पीओआई) षण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जाकी गई। क्षति विश्लेच के लिए वित्तीय वर्ष 2009-10, 2010-11, 2011- 12 और जांच की अवधि को भी शामिल किया गया।
- xvii. से जांच की अवधि सहित (डीजीसीआईएंडएस) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकीय महानिदेशालय पिछले तीन वर्षों के दौरान सम्बद्ध वस्तु के आयातों का विवरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया और उक्त जानकारी डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त की गई।
- xviii. क्षतिकारी कीमत का निर्धारण करने के -दन लागत तथा गैर की उत्पाद्ध वस्तुप्राधिकारी ने भारत में सम्ब लिए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना का अनुबंध-III में विनिर्दिष्ट दिशा निर्देशों के आधार पर जांच की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xix. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए संगत समझे जाने वाले प्रस्तुतिकरणों का प्राधिकारी द्वारा विश्लेषण किया गया और उनका इस प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचना में निराकरण किया गया।
- xx. इस अधिसूचना में त की गई सूचना का जानकारी घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तु *** करती है और उसे प्राधिकारी द्वारा नियमों के अंतर्गत वैसा ही माना गया है।प्रतिनिधित्व
- xxi. = अमरीकी डालर 1 जांच की अवधि के लिए अपनाई गई विनिमय दर53.23 रुपया है। -/

ग. द और समान वस्तुविचाराधीन उत्पा

ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सोडियम नाइट्रेट³ एक रासायनिक यौगिक है जिसका गुणसूत्र एनएएनओ है। इस लवण को चिली साल्टपीटर अथवा पेरु साल्टपीटर के रूप में भी जाना जाता हैयह जल में घुलनशील एक सफेद ठोस होता , है। इसके मिनरलरूप को नाइट्रेटाइननाइट्रेटाइट या सोडा नाइट्रेट के नाम से भी जाना जाता है। सोडियम नाइट्रेट को , द केसोडियम नाइट्राइट का विनिर्माण करने में एक सह उत्पारूप में अवकलित किया जाता है। नाइट्रस आक्साइड में परिवर्तित किया जाता है और तब सोडियम नाइट्राइट एवं सोडियम नाइट्रेट प्राप्त करने के लिए नाइट्रस आक्साइड को कास्टिक सोडा में अवशोषित किया जाता है।

4. इस उत्पाद के कोई ज्ञात ग्रेड नहीं हैं। परम्परागत अनुप्रयोग जिनमें सोडियम नाइट्रेट का प्रयोग किया जा सकता हैवह है , उष्मा अंतरण लवण एवं फ्लक्सपोट ,शियम तथा बेरियम के अन्य विभिन्न नाइट्रेट लवणों बल्क ,कृषि रसायनों , दन डाइनामाइट माचिसो एफएनएस तथा निष्पा ,रीस्ल ,स्टिंग पाउडरस ब्लागला ,वर्तियों का विनिर्माण करनामध्य चर्म परिशोधन रसा ,रसायनोंयनों इमेजिंग तथा रंग मध्यवर्तियोंवर्तियों का वर्तियों रबर रसायन मध्यटिकल मध्यफार्मास्यु , दन करने में नाइट्रोजन के स्रोत के रूप में विनिर्माण करना। सोडियम नाइट्रेट का प्रयोग उर्वरकों में भी उर्वरकों का उत्पा इसी कारण से इस ,व मेंकिया जा सकता है। वास्तुत्पाद को अध्याय के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है और 31025000

नाइट्रोजन के एक स्रोत के हैं जिन्हें उपलब्ध लगता है। उर्वरक उद्योग को बाजार में कई ऐसे उत्पाद सीमाशुल्कइस पर शून्य रूप में प्रयोग किया जा सकता है। इनमें यूरिया और अमोनिया नाइट्रेट शामिल हैं। तथापि यूरिया और 2012 वर्ष, अमोनियम नाइट्रेट में पोषकों की कुल लागत जो क्रमशः 20 रुपये प्रति कि० 52 और 2.5 रुपये प्रति किलो सोडियम नाइट्रेट में नाइट्रोजन पोषक की कुल लागत की तुलना में 159 जो 68 रुपये प्रति किलो कम है। यह देखा जा सकता है कि यदि सोडियम नाइट्रेट का प्रयोग नाइट्रोजन के स्रोत के रूप में किया जाता है तो उसका आशय होगा आठ गुना यदि वे यूरिया का प्रयोग नाइट्रोजन के एक स्रोत के रूप में करते हैं, और द्वारा जिसका वहन उपभोक्ता, लागत तो किया जाएगा। इतने महत्वपूर्ण अंतर पर ध्यान देते हुए सोडियम नाइट्रेट निकलता है कि उर्वरक उद्योग में कोई भी उपभोक्ता यह निष्कर्ष, कि के रूप में सोडियम नाइट्रेट का प्रयोग नाइट्रोजन के स्रोत के रूप में नहीं करेगा। यह भी इंगित किया जाता है कि एक उत्पाद नाइट्रेट को उर्वरक नियंत्रक आदेश के तहत कवर नहीं किया जाता है। इसलिए सोडियम नाइट्रेट का प्रयोग थ्योरी में उर्वरक उद्योग में नाइट्रोजन के एक स्रोत के रूप में प्रयोग किए जाने पर भी कोई भी उर्वरक उद्योग उपभोक्ता सोडियम नाइट्रेट का प्रयोग नहीं कर रहा है। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता सोडियम नाइट्रेट की बिक्री उर्वरक उद्योग में किसी भी उपभोक्ता को नहीं कर रहा है। इस तथ्य पर विचार करते हुए कि देश में इस उत्पाद की कुल मांग में से प्रतिशत की पूर्ति याचिकाकर्ता 59 द्वारा की जाती है। यदि उर्वरक उद्योग में सोडियम नाइट्रेट की खपत हुई होती तो याचिकाकर्ता ने उसकी आपूर्ति ऐसे उपभोक्ताओं को अवश्य की होती।

5. सोडियम नाइट्राइड को सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय के अंतर्गत सीमा शुल्क शीर्षक संख्या यह सीमाशुल्क वर्गीकरण के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि 31025000 केवल संकेतात्मक है और यह वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है। विचाराधीन उत्पाद के आयातों को अध्याय के अंतर्गत उपशीर्षक 28 सं. 2834 के अंतर्गत भी रिपोर्ट के (नाइट्राइड्स एवं नाइट्रेट्स) किया गया है। सम्बद्ध क्षेत्रों/देशों से निर्यातित सम्बद्ध उत्पाद तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित सम्बद्ध उत्पाद तथा सम्बद्ध क्षेत्रों/देशों जैसे भौतिक एवं रासायनिक दोनों ही सम्बद्ध उत्पादों से भारत में आयातित सम्बद्ध/विक्रि गुणधर्मवितरण एवं विपणन, कीमत निर्धारण, निर्यात/उत्पाद, प्रकारों एवं प्रयोगों, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, वर्गीकरण आदि के तथा प्रशुल्करूप में तुलनीय है। दोनों ही तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है। उपभोक्ता इन दोनों का प्रयोग अदल बदल कर करते हैं और कर रहे हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु तथा सम्बद्ध देशों से आयातित वस्तु के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। ऐसा नहीं है कि शुद्धता के रूप में कथित अंतर या रंग या भौतिक प्रारूप में अंतर के कारण घरेलू उत्पाद को आयातित उत्पाद की तुलना में पसंद न किया जाता हो।

ग.2 विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों तथा अन्यप्रयोक्ता, उपभोक्ता, आयातकों, निर्यातकों के विचार

6. विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद तथा इसके दायरे के सम्बंध में निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:

- दित सामग्री के बीच तकनीकी दित सामग्री तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और उक्रेन द्वारा उत्पादित, रियाबुल्गा द के भौतिकद के बीच तकनीकी विनिर्देशनों में अंतर है। इस उत्पादविनिर्देशनों में अंतर है। इस उत्पाद में भी अंतर है। बल्गारिया/चीन और, या उक्रेन से प्राप्त सामग्री क्रिस्टल रूप में है जबकि घरेलू उद्योग इसका उत्पादन पाउडर रूप में करती है। इसके अतिरिक्त इसके रंग में भी अंतर है, एवं बल्गारिया आधार पर शुद्धता घरेलू द की शुष्कचीन और उक्रेन के उत्पाद की शुद्धता की तुलना में अधिक है। उत्पाद
- के दो ग्रेड हैं (3 एन एन ओ) सोडियम नाइट्रेट—तकनीकी/औद्योगिक एवं उर्वरक/उर्वरक ग्रेड। इसके एच एस कोड तथा वीएटी (वर्द्धित बिक्री करमूल्य) की दर में भी अंतर है। इसके सीमा-शुल्क में भी अंतर है। इसके अनुप्रयोग में भी अंतर है। तकनीकी/औद्योगिक ग्रेड का एच एस कोड 7 प्रतिशत वीएटी है। इसके आयातों पर 5 है। बिक्री कर 28341010.5 प्रतिशत मूलभूत शुल्क 2 प्रतिशत उपकर और मतर माध्यम प्रतिशत उच्च 1 विक्रि उपकर है। इसका प्रयोग उर्वरक/खोद में नहीं किया जाता है। उर्वरक 12 है। बिक्री कर 31025000 उर्वरक ग्रेड का एच एस कोड/प्रतिशत वीएटी है। इस पर कोई मूल 5 विक्रि उपकर नहीतर माध्यम उपकर और उच्च, भूत शुल्क है। इसे तकनीकी/औद्योगिक प्रयोजनों के लिए प्रयोग नहीं किया जाता है।

ग.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

7. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार ने निर्यातक वली के आयातक प्रश्ना/रूप में कोई प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। यह दावा किया गया है कि चीन की शुद्धता बहुत रिया और उक्रेन से आयातित उत्पाद बल्गा, द भौतिकद और घरेलू उत्पाद आयातित उत्पाद, अधिक है। इसके अतिरिक्त रूपों में अलग लद क्रिस्टल अलग हैं। आयातित उत्पाद रूप में है वही घरेलू उत्पाद पाउडर रूप में है। यह दावा किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूरित सामग्री का रंग

आयातित सामग्री के रूप से भिन्न है। तथापिध में ओं की प्रकृति के सम्बन्ध नोट किया जाता है कि इन उपभोक्ता , प्राधिकारी को कोई सूचना प्रदान नहीं कराई गई जिनके लिए आयातित उत्पाद की बिक्री की गई और न ही भौतिक ,रूप या शुद्धता या रंग में भिन्नता के प्रभाव का ही परिमाणीकरण किया गया। दूसरी ओरघरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि , भौतिकरचना या शुद्धता या रंग में अन्तर से यह सिद्ध नहीं हो जाता है कि घरेलू उत्पाद आयातित उत्पाद से भिन्न है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उत्पाद आयातित उत्पाद का एक समान उत्पाद है। इसके अतिरिक्तघरेलू उद्योग ने यह , तर्क दिया है कि ऐसी टिप्पणियां करने वाले विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों को असहयोगकर्ता केरूप में माना जाए।

8. भौतिक ,प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह सिद्ध नहीं किया गया है कि शुद्धतारूप या रंग में अंतर से घरेलू उत्पाद आयातित उत्पाद से भिन्न उत्पाद नहीं बन जाता है। हितबद्ध पक्षकार ने कथित अंतर का इस उत्पाद की लागत और कीमत पर पड़ने वाले प्रभाव की भी गणना नहीं की है।

9. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह भी दावा किया गया है कि उर्वरक और तकनीकी/औद्योगिक ग्रेड दोनों का ही भारत में आयात विभिन्न प्रशुल्क कोडों के अंतर्गत किया गया है। और इसके अतिरिक्त0 उर्वरक ग्रेड का आयात ,प्रतिशत 0 आधारभूत सीमा शुल्क पर किया गया हैवही , तकनीकी/औद्योगिक अनुप्रयोगों के अंतर्गत रिपोर्ट किए गए आयातों पर संपूर्ण सीमा शुल्क प्रभारित किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई यह सूचना केवल तथ्यात्मक प्रकृति की है जिसमें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से एक किस्म अथवा अन्य का अपवर्जन करने का विशेष रूप से दावा नहीं किया गया है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि यद्यपि इस उत्पाद का प्रयोग उर्वरक उद्योग में नाइट्रोजन के एक स्रोत के रूप में किया जा सकता है तथापि उन्होंने इस उत्पाद की खपत न ही उर्वरक अनुप्रयोग के लिए स्वयं की है और न ही भारत में उपभोक्ताओं को इसकी बिक्री की है क्योंकि यह लागत प्रभावी नहीं है।

10. के अंतर्गत आता 31025000 के समर्पित वर्गीकरण संख्या 31 यह नोट किया जाता है कि सोडियम नाइट्रेट अध्या है। इसके अतिरिक्त के अंतर्गत उपशीर्षक सं 28 यद के आयातों को अध्याइस उत्पा ,2834 नाइट)्राइट्स और नाइट्रेट्स (के अंतर्गत भी रिपोर्ट किया गया है।

11. प्राधिकारी यह धारित करते हैं ,इस प्रकार कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सोडियम नाइट्रेट है। सोडियम नाइट्रेट एक रसायनिक यौगिक होता है जिसका फार्मूला एनएएनओ³ होता है। यह लवणजिसे चिली साल् ,टपीटर या पेरु साल्टपीटर के नाम से भी जाना जाता है त ठोस होता है जो जल में घुलनशील होता है। इसके मिनरलएक श्वे ,रूप को नाइट्राटाइन नाइट्राटाइट या सोडा नाइट्र के ,रूप में भी जाना जाता है । सोडियम नाइट्रेट सोडियम नाइट्राइट का विनिर्माण करते समय सह द केउत्पा-रूप में अवकलित किया जाता है। अमोनिया को कैटलिस्ट की मौजूदगी में उच्च ताप पर नाइट्रस आक्साइड में परिवर्तित किया जाता है और फिर नाइट्रस आक्साइड को सोडियम नाइट्राइट और सोडियम नाइट्रेट प्राप्त करने के लिए कास्टिक सोडा अवशोषित किया जाता है। प्ररूपी अनुप्रयोग जिसमें नाइट्रेट का प्रयोग किया जा सकता है वे है ताप अंतरण लवण और फ्लक्सकृषि , विविध नाइट्रेट लवण विनिर्माण करनापोटेशियम और बेरियम के अन्य , दन एफएनएस और निष्पा ,माचिस ,डायनामाइट ,रीस्ल ,ग पाउडरस्टिब्ला ,शीशे का विनिर्माण ,वर्ती मध्यबल्क ,रसायन वर्ती आदिरबड़ रसायन मध्य ,वर्तीभेषज मध्य ,वर्तीइमेजिंग और रंग मध्य ,चर्म परिशोधन रसायन ,रसायन

12. सोडियम नाइट्रेट को सीमा-शुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय-31 के अंतर्गत सीमा शुल्क शीर्षक के 31025000 अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। लेनदेन बार आयात सांख्यिकी से ऐसा देखा गया है कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों को अध्याय-28 के उपशीर्षक 2834(नाइट्राइट्स तथा नाइट्रेट्सके अंतर्गत भी रिपोर्ट किया गया है। तथापि यह वर्गीकरण (कारी नहीं है। प्राधिकारकेवल संकेतक है और यह किसी भी तरह से वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यी विचाराधीन उत्पाद के दायरे में अध्याय-28 या अध्याय-31 के अंतर्गत रिपोर्ट किये गये सोडियम नाइट्रेट के सभी आयातों को शामिल करने का प्रस्ताव करते हैं।

समान वस्तु

13. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ :-वत परिभाषित किया गया है को निम्नके अंतर्गत समान वस्तु (

"समान वस्तु से आशय उस वस्तु से है जो भारत में पाटित की जा रही जांच के अधीन वस्तु से सभी प्रकार से समान या समरूप हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य वस्तुजो , यद्यपि सभी तरह से समान न होफिर , 'र्म निकट से प्रदर्शित होनी चाहिए। के सभी गुणधभी उसमें जांच की अधीन वस्तु

14. आवेदक ने दावा किया है कि संबद्ध क्षेत्रद दित संबद्ध उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादेशों से निर्यातित संबद्ध उत्पा/ द दोनों मेंदेशों से निर्यातित संबद्ध उत्पा/द और संबद्ध क्षेत्रदित संबद्ध उत्पामें कोई जात अंतर नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पा

कुछ निश्चित पैरामीटरों जैसे भौतिक एवं रसायनिक गुणधर्म, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों एवं प्रयोगोंद उत्पाद, वर्गीकरण आदि के वितरण एवं विपणन तथा प्रशुल्क, कीमत निर्धारण, विनिर्देशनोंरूप में तुलनीय है। दोनों ही तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है। उपभोक्तागण इन दोनों का अदलबदल कर प्रयोग करते हैं-और कर रहे हैं।।

15. प्राधिकारी ने इस मामले की जांच की है और नोट करते हैं कि संबद्ध क्षेत्रद और घरेलू देशों से निर्यातित संबद्ध उत्पाद में कोई ज्ञातदित संबद्ध उत्पाद उद्योग द्वारा उत्पादित नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद और संबद्ध क्षेत्रदेशों से / विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, दोनों में भौतिक एवं रसायनिक गुणधर्मनिर्यातित संबद्ध उत्पाद प्रकार्यों एवं प्रयोगोंद उत्पाद, वितरण एवं, कीमत निर्धारण, विनिर्देशनों विपणन तथा प्रशुल्क वर्गीकरण आदि के रूप में तुलनीय है। दोनों ही तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है। किसी भी विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई आपत्ति नहीं की है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी याचिकाकर्ता कंपनी द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध क्षेत्रदेशों/ से आयातित विचाराधीन उत्पाद को समान वस्तु के रूप में मानते हैं।

घ(घरेलू उद्योग का दायरा एवं आधार

16. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(खमें घरेलू उद्योग को (निम्नवत परिभाषित किया गया है:—

“घरेलू उद्योग” का आशय समान वस्तु के विनिर्माण या उससे संबंधित किसी अन्य क्रियाकलाप में समग्र रूप से लगे उन सभी घरेलू उत्पादकों अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के समस्त घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता हो, सिवाय इसके कि यदि ये उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हो पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हों अथवा उसके स्वयं आयातक हो तो ऐसे मामलों में वाक्यांश “घरेलू उद्योग” को केवल शेष उत्पादकों के रूप में माना जाएगा।

घ.1. निर्यातकों विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों के विचारों और अन्यप्रयोक्ता /आयातकों /

17. जिसने घरेलू उद्योग के आधार के संबंध में अपनी, पार मंत्रालयइस संबंध में उक्रेन के आर्थिक विकास एवं व्यापार को छोड़, त की हैवत प्रस्तुतिपणियां निम्नडकर किसी भी अन्य निर्यातक विरोधकर्ता अथवा अन्यप्रयोक्ता /आयातक / -:तिकरण नहीं किया गया हैत प्रस्तुतिहितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई विस्तृत

क. घरेलू उद्योग की याचिका के अनुसार घरेलू उद्योग का उत्पादन सोडियम नाइट्रेट के कुल भारतीय उत्पादन लगभग प्रतिशत उत 81पादन करता है दक भी उत्पा एवं एनएफएल इसके दो अन्यय केमिकल्सराष्ट्री हैं। त्रिवेणी केमिकल्स, दक भी है। इस प्रकार जांचकर्ता उत्पाद जैसे अन्यलिमिटेड और निकुंज केमिकल्स, पेरी नाइट्रेट प्रा, जसुविधि इंडस्ट्री प्राधिकारी इस याचिका के लिए समर्थन की डिग्री का निर्धारण कर सकते हैं और यह देख सकते हैं कि क्या यह याचिका घरेलू उद्योग द्वारा या घरेलू उद्योग की ओर से की गई है।

18. राजस्थान एक्सप्लोसिवज एंड केमिकल्स लिमिटेड ने घरेलू उद्योग और इसके दायरे के संबंध में राजस्थान, धौलपुर, त किया है कि वे सोडियम नाइट्रेट के प्रयोक्ताणी नहीं की है और प्रस्तुकोई टिप्पणें और उन्होंने वर्ष 2009-10, 2010-11, 2011- की अवधि के दौरान 12इस सामग्री की खरीद करने के लिए विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं को क्रय आदेश दिये थे। उन्होंने आर्डर की गई मात्रा और खरीद के स्रोत के संबंध में विस्तृत विवरण दिया है। आगेने इस किया है कि उन्होंने स्पष्ट नहीं, जुलाई 18 मद का आयात2013 तक नहीं किया है और इसकी खरीद केवल स्वदेशी विनिर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं से ही की है।

घ.2 घरेलू उद्योग के विचार

19. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये हैं :-

- क द के जांच की अवधिपुणे द्वारा दायर की गई है। इस उत्पाद, यह याचिका मैसर्स दीपक नाइट्राइट लिमिटेडे के दौरान भारत में दो अन्य ज्ञात उत्पादक भी हैय फर्टिलाइजर्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड तथा राष्ट्रीय कैमिकल्सराष्ट्री, लिमिटेड।
- दन में एक बदन जांच की अवधि के दौरान भारतीय उत्पादयाचिकाकर्ता का उत्पाद हिस्सा बनता है।
- याचिकाकर्ता नियमावलीके अंतर्गत घरेलू उद्योग है।

iv. दन में दन भारतीय उत्पाजिसका उत्पा ,पुणे द्वारा दायर की गई है ,यह याचिका मैसर्स दीपक नाइट्राइट लिमिटेड एक बड़ा हिस्सा है। इस याचिका का किसी ने भी विरोध नहीं किया है। अभिज्ञात कोई भी कंपनीसोडियम ,व मेंवास्त , नाइट्रेट काउत्पादन नहीं करती है। तथापि पार करतीद का व्यायह संभव है कि इनमें से कुछ कंपनियां विचाराधीन उत्पा , हैं। किसी मामले में नहीं दिया जा सकता है जिससे नियमों के अंतर्गत दन को उतना अधिक महत्वइन कंपनियों के उत्पा , हो कीदन इतना अपर्याप्तयाचिकाकर्ता का उत्पा उसका आधार ही खत्म हो जाए।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

20. वर्तमान मामले में मैसर्स दीपक नाइट्राइट लिमिटेड ने यह आवेदन पत्र यह आरोप लगाते हुए दायर किया है कि यूरोपियन यूनियन, गण, चीन जन ,, उक्रेन और कोरिया आरपी के मूल के अथवा वहां से निर्यातित का 'सोडियम नाइट्रेट' का अधिरोपण कपाटन हो रहा है और उस पर पाटनरोधी शुल्क करने का अनुरोध किया है। इस कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान अथवा क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से अथवा अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है। याचिकाकर्ता नियमावली के आशय के अंतर्गत पात्र घरेलू उद्योग है। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस मुद्दे पर उक्रेन के आर्थिक विकास एवं व्यापार मंत्रालय के अलावा कोई टिप्पणी नहीं की है। उक्रेन द्वारा की गई टिप्पणी की जांच की गई है। उक्रेन सरकार ने विचाराधीन उत्पाद के उत्पादक के रूप में कई अन्य कंपनियों को अभिज्ञात किया है। घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि यह सभी कंपनियांपार करती हो परंतु वे सोडियम नाइट्रेट की सोडियम नाइट्रेट का व्या , हो सकता है कि , त प्रस्तुवेजी साक्ष्यदक नहीं है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्रेन की सरकार ने इस बात का कोई दस्ताउत्पा नहीं किया है। जो यह दर्शाता हो कि उनके द्वारा अभिज्ञात यह अन्य कंपनियां वास्तव में भारत में सोडियम नाइट्रेट का उत्पादन करती है। तथापि प्राधिकारी ने उक्रेन की सरकार द्वारा अभिज्ञात इन कंपनियों से यह जानकारी सीधे ही मांगी थी। निकुंज केमिकल्स कंपनी ने प्राधवडोदरा को छोड़कर किसी भी अन्य ,िकारी को कोई जवाब नहीं दिया। निकुंज केमिकल्स वडोदरा ने प्रत्युत्तर दिया कि वे इस उत्पाद का विनिर्माण नहीं करते प्राधिकारी ने भारतीय उत्पादकों और विचाराधीन उत्पाद का उनके द्वारा उत्पादनरसायन एवं उर्वरक ,बिक्री विवरण के संबद्ध में संगत जानकारी उनके प्रशासनिक मंत्रालय / दन करने भारत सरकार से भी मांगी थी। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने भी देश में सोडियम नाइट्रेट का उत्पा ,मंत्रालय र नहीं दिया। प्राधिकारी नोट करतेतत्वाली कंपनियों की पहचान के संबंध में कोई प्रत्यु हैं कि यह भी सिद्ध नहीं किया गया है कि उक्रेन की सरकार द्वारा अभिज्ञात अन्य कंपनियां वास्तव में विचाराधीन उत्पाद की उत्पादक कंपनियां हैं। रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य यह स्पष्ट नहीं करता है कि यह कंपनियां नियमावली के नियम 2(ख) के आशय के अंतर्गत घरेलू उद्योग है। (

21. जांच की अवधि के दौरान याचिकाकर्ता का उत्पादन भारतीय उत्पादन का बनता है। रिकार्ड में प्रतिशत हिस्सा 80 सूचना के आधार पर प्राधिकारी यह निर्धारित करतेउपलब्ध हैं कि जांच की अवधि के दौरान आवेदक का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का एक बड़ा अनुपात है और यह याचिका घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई है। तथ्यों की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निर्धारित करते हैं कि याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख)के आशय (में उल्लिखित शर्तों 5 के अंतर्गत घरेलू उद्योग है और याचिकाकर्ता प्रमुख नियम के नियमों के अनुसार आधार की प्रक्रिया को संतुष्ट करता है।

ड. विविध मुद्दे

ड.1 विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों के विचारों और अन्यप्रयोक्ता /आयातकों /निर्यातकों

22. उक्रेन के आर्थिक विकास एवं व्यापार मंत्रालय ने यह मुद्दा उठाया कि विश्लेषण के लिए आकलन की अवधि का निर्धारण वर्ष 2009-10, -2010-11, 2011-12 के लिए किया गया है और जांच की अवधि अक्टूबर, 2011 से दिसम्बर, 2012 है। चूंकि जांच की अवधि वर्षों के माह से अधिक है इसलिए जांच की अवधि के देशनाकों की तुलना अन्य 12 देशनाकों से नहीं की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता ने उल्लेख किया है कि "याचिकाकर्ता ने विचाराधीन उत्पाद का कोई निर्यात नहीं किया"। परन्तु अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केन्द्र के अनुसार भारत से सोडियम नाइट्रेट का निर्यात हुआ था और दीपक नाइट्राइट निर्यातक देशों में से एक है।

23. स्काट ग्लास इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कोई प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया परंतु केवल कुछ निश्चित प्रस्तुतिकरण किये कि याचिकाकर्ता मैसर्स दीपक नाइट्रेट लिमिटेड नियमित रूप से संबद्ध वस्तु की कीमतें बढ़ा रहा है और पिछले तीन वर्षों में मूल कीमत रुपये 900 प्रति मीटन तक बढ़ी है जो लगभग प्रतिशत है और यदि कीमतों में इस तरह 39 कता बनाए रखने धार्मिक की प्रतिस्पत उत्पाष्कस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को अपने परिट ग्लाकी वृद्धि जारी रही तो स्का द कोऔर घरेलू भेषज कंपनियों की वहनीयता बनाये रखने के लिए इस उत्पा किसी अन्य प्रतिस्पर्धी बाजार समुद्र / घरेलू)

की छत्रछाया में विनिर्माताओं को अपनी कीमते करने की जरूरत होगी। पाटनरोधी शुल्कसे प्राप्त (पारीयं बढ़ाने का अवसर मिल जायेगा और साथ ही गुणवत्ता मानक भी घट जाएगा। इसलिए प्राधिकारी यह सत्यापित कर सकते हैं कि कीमत वृद्धि को रोकने के लिए घरेलू विनिर्माताओं द्वारा क्या उपाय किया जा सकता है।

24. संदीप आर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने यह मुद्दा उठाया है कि एनइओसीएचआईएम पीएलसी बलगारिया में इसका विनिर्माता है। फार्मिकल साइप्रस लिमिटेड इसका निर्यातक है। बलगारिया की कीमत प्रतिशत अग्रिम भुगतान करने पर 100 टन है। अमेरिकी डालर प्रति मी 450 नेवा शेवा सीएफआर पर

ड.2 घरेलू उद्योग के विचार

25. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए हैं :

i) इस बात पर विचार करते हुए कि जांच अवधि माह की है 15, याचिकाकर्ता ने विगत वर्ष से तुलना को सुकर बनाने के लिए आंकड़ों का "वार्षिकीकरण" कर दिया है।

ii) बुल्गारिया में कंपनी ने कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया है। इसके अतिरिक्त, याचिका में उल्लिखित जानकारी स्पष्टतयह : रिया से आयात कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कदशाती है कि बल्गाीमत से वास्तव में कम है।

iii) घरेलू उद्योग अपनी कीमतों का निर्धारण करने के लिए दो पैरामीटरों पर विचार करती है। यद्यपि घरेलू उद्योग कच्चे माल एवं अन्य उपयोगी वस्तुओं की कीमत के कारण लागत में परिवर्तन की बजह से कीमत को फिर से संगठित करने का प्रयास करता है, परंतु विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत की जा रही कीमतों के कारण घरेलू उद्योग ऐसा करने के लिए लाचार हो जाता है। क्षति अवधि के दौरान कच्चे माल और अन्य उपयोगी वस्तुओं की कीमत के कारण लागत में भारी वृद्धि हुई है क्योंकि इन प्रमुख कच्चे माल और उपयोगी वस्तुओं की कीमते बढ़ गई है। इसके परिणामी स्वरूप घरेलू उद्योग को विचाराधीन उत्पाद की अपनी कीमते बढ़ाने के लिए लाचार होना पड़ा। तथापि, घरेलू उद्योग को कच्चे माल की लाभ में वृद्धि के अनुपात से अपनी कीमतों में बढ़ोत्तरी करना उचित था, परंतु घरेलू उद्योग को कच्चे माल तथा अन्य उपयोगी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोत्तरी की सीमा तक अपनी कीमतों वृद्धि करने से रोका गया। वास्तव में, कीमत में यह बढ़ोत्तरी कच्चे माल की कीमत में हुई वृद्धि से काफी कम थी।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

26. प्राधिकारी ने उपर्युक्त मुद्दे की जांच की है और यह नोट करते हैं कि उक्रेन सरकार के इस तर्क के संबंध में कि जांच की अवधि किया जाता है कि प्राधिकारी ने जांच की अवधि के आंकड़ों की छमाह से अधिक की अवधि की है यह स्प 12 तुलना जांच की अवधि के लिए आंकड़ों का वार्षिकीकरण करके की है। यह प्राधिकारी की उन मामलों में एक संगत परम्परा रही है जहां जांच की अवधि बारह माह से कम या अधिक होती है।

27. याचिका में इस दावे के संबंध में कि "याचिकाकर्ता ने विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है", प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिका के प्रपत्र IVक में याचिकाकर्ता ने क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के निर्यातों को दर्शाया है और प्राधिकारी ने उस पर उचित ध्यान दिया है।

28. स्काट ग्लास इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और संदीप आर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा उठाए गए कीमतों में बढ़ोत्तरी के मुद्दे के संबंध में यह नोट किया जाता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि की थी परंतु इसकी कीमतों में यह वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण हुई है। पुनयह नोट किया जाता है कि उत्पादन लागत में यह वृद्धि इनपुट कीमतों में वृद्धि के कारण हुई है। वास्तव में, यह उत्पादित किया जाता है कि कीमत में यह वृद्धि लागत में बढ़ोत्तरी के अनुपात में नहीं हुई है। यह नोट किया जाता है कि आयात, बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का निग्रहण कर रहे हैं।

च. पाटन का आकलन क्रियाविधि एवं पैरामीटर्स-

पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए क्रियापद्धति

च.1 निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन , मूल्यसामान्य

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपियन यूनियन /उक्रेन और कोरिया आरपी के किसी भी निर्यातक ,गण.चीन जन , दउत्पाक ने निर्धारित स्वरूप और प्रपत्र में निर्यातक प्रश्नावली दायर करके जांच शुरुआत अधिसूचना का प्रत्युत्तर नहीं दिया है और केवल उक्रेन के आर्थिक विकास एवं व्यापार मंत्रालय ने ही इस संबंध में प्रस्तुतिकरण किया है।

च2. घरेलू उद्योग के विचार

30. घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि चीन जन वाले देश केवस्थागण को गैर बाजार अर्थव्य.रूप में माना जाए उन्होंने इस संबंध में -:ख किया हैलिखित उल्लेखित ,साथ- बातों के साथअन्य ,

i) का दर्जा ऐसी स्थिति में नहीं दिया जा सकता हैवस्थाबाजार अर्थव्य जहां एक प्रमुख शेयर धारक राज्य स्वामित्व / नियंत्रित निकाय /मित्व स्वानियंत्रित निकाय हो। यूरोपियन आयोग ने निरंतर यह धारित किया है कि जिन मामलों में राज्य क्षेप की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता द्वारा हस्त होता है उनमें राज्यका भारी हिस्साहै। यह मामला केवल विगत में किये गये हस्तक्षेपों से संबंधित नहीं है परंतु पाटन रोधी शुल्क का अधिरोपण करने का वस्थाजो बाजार अर्थव्य , क्षेप किये जाने की संभावना बनी द्वारा हस्त में भी राज्यत भविष्यके पश्चा ,दर्जा प्रदान करने के लिए एक संगत तरीका है रहेगी।

ii) र दाता चीन के निर्यातक यह सिद्ध त्त का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक प्रत्युवस्थाबाजार अर्थव्य रूप से प्रदर्शित करती है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया को पर्याप्तबड़े इनपुटों की कीमत बाजार मूल्यों-नहीं कर देते हैं कि बड़े पर" है कि्याप्त रूप से प्रतिबिम्बित मूल्यों की गई है जिसका आशय यह है कि इन इनपुटों की कीमत ख्यापक व्याकी व्या " अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमतों से तुलनीय होनी चाहिए। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि यह तथ्य कि यह कीमतें चीन जनगण में प्रचलित कीमतों से. तुलनीय है है।पूरी तरह से अपर्याप्त ,

iii) दन दो का उत्पादघरेलू उद्योग यह तर्क देता है कि संबंधित उत्पा :एं शामिल होती हैगी वस्तुबड़े इनपुटों में उपयो केकरने के लिए प्रमुख उपयोगी वस्तुरूप में बिजली और ईंधन की जरूरत होती है। स्पष्टतः, जब विद्युत आपूर्तिकर्ता राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी होती है तो ईंधन आपूर्तिकर्ता के संबंध में अपर्याप्त जानकारी ही उपलब्ध हो पाती है।

iv) र दाता निर्यातक यह सिद्ध त्त का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता है कि जब तक कि प्रत्युवस्थाबाजार अर्थव्य नहीं कर देतेहै कि उनकी बहियों का अंकेक्षण अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानकों के अनुरूप किया गया है। घरेलू उद्योग यह तर्क देता है कि चीन के निर्यातकों ने यूरोपियन कमीशन के उस व्यवहार का बारबार विरोध किया है जिसमें उसने चीन को - का दर्जा ऐसी स्थिति मेंवस्थाबाजार अर्थव्यदेने से मना कर दिया जहां चीन के निर्यातक यह सिद्ध करने में अक्षम है कि उनकी बहियां चीन के जीएएपी से संगत है। ऐसे मामलों में चीन की कंपनियों ने तर्क दिया है कि अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानकों के अनुपालन पर जोर देने की जरूरत विधि से परे है। यूरोपियन कमीशन ने यह धारित किया है कि अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानकों का अनुपालन किये जाने पर जोर देने से वार्षिक रिपोर्ट में अभिव्यक्त राजस्व एवं व्ययोंपरिसंपत्तियों , और देयताओं की यर्थाथता एवं परिशुद्धता सुनिश्चित हो जाती है। यूरोपियन कमीशन का उदाहरण देते हुए यह कहा जा सकता है कि इस पहलु के संबंध में लेखाओं की विश्वसनीयता तब तक स्थापित नहीं की जा सकती है कि जब तक कि वे अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानकों से संगत ना हो।

v) : का दर्जा नहीं दिया जा सकता हैवस्थायदि एक भी पैरामीटर पूरा नहीं होता है तो भी बाजार अर्थव्य घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया कि यूरोपियन कमीशन ने बार का दर्जा तब नहीं वस्थाबार यह जोर दिया है कि बाजार अर्थव्य-क पैरामीटर के बारे में प्रत्ये दाता चीन के निर्यातक नियमों के अंतर्गत विनिर्दिष्टतदिया जा सकता है कि जब तक कि प्रत्यु जांच को पूरा नहीं कर लेते हैं।

vi) नहीं होता है घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि यह सिद्ध करना प्राधिकारी का कर्तव्य :प्रतिबद्धताएं /रदायित्वउत्त माहौल के अंतर्गत प्रचालन कर रही है और वे बाजार वस्थाव में बाजार अर्थव्यर दाता कंपनियां वास्तत्तकि प्रत्यु वसुअर्थव्यथा का दर्जा प्राप्त करने की प्रात्र है। इसके विपरीत चीन के प्रत्युत्तर दाता निर्यातकों का यह कर्तव्य हो जाता है कि वे यह सिद्ध करें कि वे बाजार अर्थव्यवस्था स्थितियों के अंतर्गत प्रचालन कर रहे हैं।

vii) घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि ऐस :अंतरण की स्थिति में जहां मौजूदा शेयर धारकों ने अपनी स्वयं की उत्पादन सुविधाएं स्थापित नहीं की हैं परंतु उनको किसी अन्य पक्षकार से प्राप्त किया है वहां बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक कि अंतरण की प्रक्रिया को दस्तावेजी साक्ष्य के जरिए पूरी तरह से स्पष्ट नहीं कर दिया जाता है।

viii) समग्ररूप से समूह से प्रत्युत्तर का दर्जा तब तक नहीं दिया वस्थाघरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि बाजार अर्थव्य : र दाता कंपनी और उसका समूह समग्र रूप से दावा ना करता हो। इस समूह का भाग त्तजा सकता है कि जब तक कि प्रत्यु त्तरबनने वाली एक या अधिक कंपनियां प्रत्यु दायर नहीं करती है तो बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे को इस तथ्य पर ध्यान दिये

बिना अस्वीकृत किया जा सकता है कि क्या इस समूह की अन्य कंपनियां विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने अथवा उसकी बिक्री करने में अंतर ग्रस्त है। यह तर्क दिया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह जांच विट्रीफाइड टाइल्स मामले की जांच में की थी जहां बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त करने की मांग करते हुए संपूर्ण समूह ने प्रत्युत्तर दायर किया था।

ix) र दाताओं द्वारा ऊपर उल्लिखित कई शर्तों को तत्चीन के निर्यातक प्रत्यु पूरा करने में असफल रहना यह धारित करने के लिए पर्याप्त है कि प्रत्युत्तर दाता चीन की कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता है और इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के पैरा के अनुरूप किया जाना चाहिए। 7

31. घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि उक्रेन को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का दर्जा नहीं दिया जाना चाहिए। इस संबंध में उन्होंने :ख किया है कियह उल्ले ,साथ- बातों के साथअन्य ,

i) वदकों को सोडा ऐश के मामले में बाजार अर्थव्यवस्था के उत्पास्था का दर्जा प्रदान नहीं किया गया था।

ii) माहौल में वस्थाना करने कि वे कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था के ऐसी कंपनियों के रूप में प्रकल्पउक्रेन के उत्पा अलग हैं। भारत में यह सिद्ध किया जा सक-का आधार भारत और यूरोप दोनों में अलग ,प्रचालन नहीं कर रही हैंता है कि डब्ल्यू टीओ के एक सदस्य देश ने उक्त देश को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में नियमावली के अंतर्गत निहित प्रक्रिया मूल्यांकन के आधार पर किया है।

iii) दकों को बाजार अर्थव्यवस्था यूएस अथवा ईयू ने उक्रेन के उत्पा यह सिद्ध नहीं किया गया हैवस्था का दर्जा विधि के अंतर्गत निर्धारित मानदंडों के मूल्यांकन के आधार पर दिया है।

iv) दक ने प्राधिकारी के साथ न तो सहयोग किया है कि और न ही उक्रेन उक्रेन के किसी भी उत्पा ,किसी भी मामले में दकों ने यह सिद्ध किया है कि वर्तमान मामले में उक्रेन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया जाना अपेक्षित है। अतः, निर्दिष्ट प्राधिकारी उक्रेन के उत्पादकों से प्राप्त प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं कर सकते हैं।

32. घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि वह यूरोपियन यूनियन उक्रेन और कोरिया आरपी की घरेलू बाजारों , कि सार्वजनिक क्षेत्र में सूचना एकत्र नहीं कर सके क्यों /दकों की कीमत सूची या कोटेशन जैसे साध्य के उत्पा में संबद्ध वस्तु उक ,ने यूरोपियन यूनियन नहीं थी और इसलिए उन्होंने संगत सूचना उपलब्ध ्रैन और कोरिया आरपी से आयातों के मामलों में सामान्य मूल्य का विनिर्माण किया है। इसके अतिरिक्त निर्यातक ने इस जांच की /दकसंबद्ध देशों के किसी भी उत्पा , र नहीं दिया है। तत्प्रक्रिया के दौरान प्रत्यु

च.3 पार मंत्रालय के विउक्रेन के आर्थिक विकास एवं व्याचार

33. वर्तमान जांच में उक्रेन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। उक्रेन से सोडा ऐश के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच के मामले में उक्रेन के प्राधिकारियों ने भारतीय पक्ष को ऐसी सामग्री प्रदान की है जिससे यह संपुष्टि होती है कि उक्रेन को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा भारतीय विधि के अनुरूप है। इसके अतिरिक्त यूरोपीय समुदाय ने उक्रेन की अर्थव्यवस्था को 30.12.ता ईयू के परिषद के दर्जे को मान्यवस्थासे बाजार अर्थव्यवस्था 2005 .विनियम सं2117/2005 23 ईयू के शासकीय पत्र में दिनांक].12. 2005को प्रकाशित संएल. 340/17] के अनुसार दी है और उक्रेन को गैर बाजार अर्थव्यवस्थाओं की सूची से हटा दिया गया था। इसके अतिरिक्त बाजार अर्थव्यवस्था का आकलन करने का ईयू का मानदंड भारतीय विधि में विनिर्दिष्ट मानदंडों के समान ही है। इसके साथसाथ यूएस ने उक्रेन- को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का दर्जा वर्ष 771 द अधिनियम के अनुच्छेके यूएस प्रशुल्क 1930.में परिभाषित मानदंडों के 18 के फेडरल राज्य वाले देश का दर्जा प्रदान किये जाने के निर्णय को संयुक्तवस्थाअनुरूप दिया है। उक्रेन को बाजार अर्थव्यवस्था 02 र में रजिस्ट.24.में प्रकाशित किया गया था। भारतीय विधि के प्रावधानों के अनुसरण में सक्षम 37 के संख्या 2006 वाले देश के रूप में मानने पर विचार करना पड़ा।वस्थाप्राधिकारी को उक्रेन को बाजार अर्थव्यवस्था

च.4 गण और उक्रेन के बारे में बाजार अर्थव्यवस्था प्राधिकारी द्वारा चीन जनयवस्था दावे की जांच

34. नियम के अनुबंध-1 के पैरा :में प्रावधान है कि 7

तृतीय वस्था का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्यवस्था गैर बाजार अर्थव्यवस्था देशों को कीमत जिसमें भारत भी शामिल है के आधार या ऐसे तृतीय देश से अन्यदेश में कीमत या विनिर्मित मूल्य पर किया जायेगा अथवा जहां यह संभव ना हो या किसी अन्य तर्क संगत आधार पर जिसमें समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में संदत्त या देय के आधार पर तर्क संगत ,यदि जरूरी हुआ तो उसका विधिवत समायोजन करके , बाजार अर्थव्यवस्था प्राधिकारी द्वारा उपयुक्तलाभ मार्जिन शामिल करके किया जा सकता है। निर्दिष्टवस्था तृतीय देश का चयन तर्क संगत ढंग से संबंधित देश के विकास के स्तर और प्रश्नाधीन उत्पाद के स्तर को ध्यान में रखकर किया

जाएगा और चयन करते समय उपलब्ध कराई गई किसी भरोसेमंद सूचना पर भी उचित ध्यान दिया जायेगा। निश्चित समय के अंतर्गत जहां किसी अन्य, बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश के बारे में किसी समान मामले में की गई जांच पर भी उचित ध्यान दिया जाएगा। पक्षकारों को बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के उपयुक्त चयन में हुए किसी अतर्कसंगत विलम्ब के बिना सूचित किया जाएगा और उन पर अपनी टिप्पणियां देने के लिए उन्हें पर्याप्त समय दिया जायेगा।

35. इसके अतिरिक्त-पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध, 1 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट संगत उपबंध निम्नलिखित हैं :

8.(1) प्राधिकारी यह शर्त का आशय किसी ऐसे देश से होता है जिसे निर्दिष्टवाक्यां " देशव्यापार बाजार अर्थव्यवस्था" निर्धारित करते हैं कि वह लागत अथवा कीमत निर्धारण ढांचे के बाजार सिद्धांतों के अनुरूप प्रचालन नहीं कर रहा है का प्रदर्शन उप के उचित मूल्य की बिक्री पण्यजिससे कि इन देशों में पण्य, -पैरा)3 मानदंडों में विनिर्दिष्ट (के अनुरूप नहीं हो रहा है।

)2 यह पूर्वधार (णा होगी कि कोई देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अथवा इस जांच से तीन वर्ष पहले की अवधि के दौरान डब्ल्यू टी ओ के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजन के लिए गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है अथवा ऐसा होना निर्धारित किया गया है तो उसे गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना जायेगा। तथापि शर्त यह है कि गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश की संबंधित फर्म इस पूर्व धारणा का निर्दिष्ट प्राधिकारी को ऐसी सूचना और साक्ष्य देकर खंडन कर सकता है जो यह स्थापित करता हो कि उक्त देश उप पैरा)3 वस्था मानदंडों के आधार पर गैर बाजार अर्थव्यवस्था में निर्दिष्ट (वाला देश नहीं है।

)3 :लिखित प्रक्रिया पर विचार करेंगे कि क्याक मामले में निम्न प्राधिकारी प्रत्येनिर्दिष्ट (

बिक्रियों और निवेश को शामिल करते हुए , आउटपुट, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत , माल देश में कच्चेउत्त (क) र में किये गये हैं जो तत्कीमत लागत और इनपुट के संबंध में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजार संकेतकों के प्रत्यु मांग एवं आपूर्ति को प्रतिबिंबित करते हैं और इस संबंध में निर्णय राज्य के हस्तक्षेप के बिना किया गया है और क्या प्रमुख इनपुटों की लागत बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से प्रदर्शित करती है ;

खासकर , प्रणालीवस्थाति पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था स्थिदन लागत और वित्तीयन फर्मों की उत्पा (ख) पार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति द्वारा भुगतान से विनिमय व्या , बट्टे खाते में डाले गये अन्य , ह्रासपरिसंपत्तियों के मूल्य धीन होतीकी गई भारी विकृतियों के अध्य है।

धीन होती है जो इन फर्मों के प्रचालन के लिए विधिक यह फर्म दिवालियापन और संपत्तियों विधियों के अध्य (ग) और , निश्चितता एवं स्थिरता की गारंटी प्रदान करती है

विनिमय दर परिवर्तन बाजार दरों पर किया जाता है। (घ)

तथापि मानदंडोइस पैराग्राफ में निर्दिष्ट , के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य द्वारा जहां यह प्रदर्शित किया जाता है कि ऐसी एक या अधिक फर्मों के लिए पाटन रोधी जांच के अध्यधीन बाजार स्थितियां प्रचलित हैं वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी पैराग्राफ सिद्धांतों के बजाय और इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट 7 पैराग्राफ में निदि 6 से 1 ष्ट सिद्धांतों को लागू करेंगे।

)4) उप पैराग्राफ (2 वस्था प्राधिकारी ऐसे देश को बाजार अर्थव्यवस्था किसी बात के होते हुए निर्दिष्टमें उल्लिखि (कन के आधारयन मूल्यांत अध्यवाले देश के रूप में मान सकते हैं जो संगत मानदंडों के विस्तृ परजिसमें उप ,) पैराग्राफ 3 वेज में प्रकाशित करते हैं उन्हेंकन को सार्वजनिक दस्ताइस मूल्यां , मानदंड भी शामिल हैंमें निर्दिष्ट (वाले वस्था देश द्वारा पाटन रोधी जांच के प्रयोजन के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संगठन के किसी सदस्य व्याविश्व देश के रूप में माना गया है।

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों में चीन जन द्वारा पाटन टीओ सदस्यों डब्ल्यूगण को भारत द्वारा अन्य. वाले देश केवस्थारोधी जांच में गैर बाजार अर्थव्यवस्था रूप में माना गया है। चीन जनगण को पाटनरोधी नियमावली में . उल्लिखित शर्तों के अनुसार निर्यातकर्ता देश या व्यक्तिगत निर्यातक द्वारा इस अवधारणा का खंडन करने के अध्यधीन गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है।

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जनवली निर्यातक ने ना तो प्रश्ना/दक के किसी भी उत्पागण के संबद्ध वस्तु. प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया और न ही प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरूआत नोटिस के परिणाम स्वरूप दिये गये बाजार

अर्थव्यवस्था प्रश्नावली का प्रत्युत्तर ही दिया गया है और न ही गैर बाजार अर्थव्यवस्था की प्रकल्पना का खंडन ही किया गया है।

38. जहां तक उक्रेन को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में मानने के लिए उक्रेन की सरकार द्वारा दिये गये तर्क का संबंध हैवेज प्रदान नहीं किया गया है जो यह त दस्तप्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्रेन की सरकार द्वारा ऐसा कोई विस्तृत, सिद्ध करता हो कि किसी डब्ल्यूटीओ सदस्य ने पैरा 8(3) के अंतर्गत निर्धारित मानदंड मूल्यांकन का अनुसरण करके और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(4) के अंतर्गत यथापेक्षित इस मूल्यांकन को सार्वजनिक दस्तावेज में प्रकाशित करके उक्रेन को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया हो। इसके अतिरिक्त उक्रेन के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने न तो सहयोग दिया है और न ही गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रकल्पना का खंडन करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली प्रत्युत्तर ही प्रस्तुत किया है। उपयुक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने उक्रेन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर संगत नियमावली के अनुरूप किया है।

च.5 का निर्धारणदकों एवं निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्यउत्पा

च.5.1 का निर्धारण मूल्यदकों के बारे में सामान्यउत्पा/गण के निर्यातकों.चीन जन

39. चीन जन गण में सामान्य.र के अभाव में प्राधिकारी चीन जनतन्त्रनिर्यातक द्वारा किसी प्रत्यु/दकगण के किसी उत्पा. का निर्धारण अनंतिममूल्यरूप से पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा के द्वितीय परंतुक में उल्लिखित शर्तों के 7 अनुरूप उपलब्ध तथ्यों के आधार पर करते हैं। तदनुसार का अनंतिम मूल्यरी बाह्य सामान्यद के फैक्टविचाराधीन उत्पा, रूप से निर्धारण उत्पाद की विनिर्मित लागत के आधार पर और प्रशासनिक लागत एवं लाभ को शामिल सामान्य, बिक्री, करने के लिए विधिवत समायोजित करके किया गया है। इस तरह निर्धारण सामान्य मूल्य टन है।.मी/अमरीकी डालर ***

च .5.2 यू.ई. के निर्यातकों का निर्धारण मूल्यदकों के संबंध में सामान्यउत्पा /

40. विधि के अंतर्गत प्रावधानों के अनुसार प्राधिकारी को ई यू ने सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए ई यू घरेलू बाजार में खपत के लिए निर्धारित उत्पाद की बिक्री कीमत पर विचार करना अपेक्षित होता है। याचिकाकर्ता ने प्रस्तुत किया है कि ई यू की घरेलू बाजार में प्रचलित वास्तविक बिक्री कीमत का कोई साक्ष्य नहीं है। ई यू के किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर देकर प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू के किसी भी उत्पादक से विनिर्दिष्ट स्वरूप और ढंग से किसी प्रत्युत्तर के अभाव में सामान्य मूल्य का निर्धारण ई यू में किसी उत्पादक के प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर नहीं किया जा सकता है। इसलिए प्राधिकारी ने उत्पादन लागत के अनुमानों पर विचार करते हुए, अनंतिम, और प्रशासनिक लागत तथा लाभ को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित करके सामान्य, जिसे बिक्रीरूप से सामान्य मूल्य विनिर्मित किया। इस तरह निर्धारित सामान्य मूल्य टन है।.मी /अमरीकी डालर ***

च.5.3 उक्रेन के निर्यातकों का निर्धारण मूल्यदकों के संबंध में सामान्यउत्पा/

41. याचिकाकर्ता द्वारा यह तर्क दिया गया है कि उक्रेन को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का दर्जा नहीं दिया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने यह भी प्रस्तुत किया है कि उक्रेन की घरेलू बाजार में प्रचलित वास्तविक बिक्री कीमत का कोई साक्ष्य नहीं है। उक्रेन के किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर देकर प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है। उक्रेन के किसी उत्पादक के अभाव में प्राधिकारी उक्रेन में सामान्यतन्त्रनिर्यातक द्वारा किसी प्रत्यु/य मूल्य का निर्धारण अनंतिम रूप से पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा के द्वितीय परंतुक में उल्लिखित शर्तों के अनु 7रूप उपलब्ध तथ्यों के आधार पर करते हैं। इसलिए प्राधिकारी ने उत्पादन लागत के अनुमानों पर विचार करते हुए और प्रशासनिसामान्य, जिसे बिक्री, क लागत तथा लाभ को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित करके अनंतिम, रूप से सामान्य मूल्य विनिर्मित किया। इस तरह निर्धारित सामान्य मूल्य टन है।.मी /अमरीकी डालर ***

च.5.4 का निर्धारण मूल्यदकों के संबंध में सामान्यउत्पा /कोरिया आर पी के निर्यातकों

42. विधि के अंतर्गत प्रावधानों के अनुसार प्राधिकारी को कोरिया आर पी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए कोरिया आर पी घरेलू बाजार में खपत के लिए निर्धारित उत्पाद की बिक्री कीमत पर विचार करना अपेक्षित होता है। याचिकाकर्ता ने प्रस्तुत किया है कि कोरिया आर पी की घरेलू बाजार में प्रचलित वास्तविक बिक्री कीमत का कोई साक्ष्य नहीं है। कोरिया आर पी के किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर देकर प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया आर पी के किसी भी उत्पादक से विनिर्दिष्ट स्वरूप और ढंग से किसी प्रत्युत्तर के अभाव में सामान्य मूल्य का निर्धारण कोरिया आर पी में किसी उत्पादक के प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर नहीं किया जा सकता है। इसलिए प्राधिकारी ने उत्पादन लागत के अनुमानों पर विचार करते हुए और प्रशासनिक सामान्य, जिसे बिक्री,

अनंतिम ,लागत तथा लाभ को शामिल करने के लिए विधिवत समयोजित करकेरूप से सामान्य मूल्य विनिर्मित किया। इस तरह निर्धारित सामान्य मूल्य टन है।.मी/अमरीकी डालर ***

च.6 दकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत काउत्पा निर्धारण

43. चूंकि संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है इसलिए प्राधिकारी ने ईयूचीन , उक्रेन और कोरिया आरपी के बारे में निर्यात कीमत का अनंतिम ,गण.जनरूप से निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर किया है। याचिकाकर्ता ने निर्यात कीमत का निर्धारण भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयातोंके आध ,द्वारा रिपोर्ट किये गये के अनुसार ,आंकड़े आपूर्तिकर्ता एजेंसी ,आईबीआईएस ,ार पर किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भी लेन कियेदेन वार आयात आंकड़े डीजीसीआईएस से प्राप्त-हैं । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने डीजीसीआईएस से प्राप्त आंकड़ों पर विचार किया है और भारत में विचाराधीन उत्पाद के सभी आयातों पर विचार करते हुए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। चीनईयू और कोरिया आरपी के निर्यातकों से असहयोग को देखते हुए ,उक्रेन , याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग द्वारा किये गये दावों के आधार पर कीमत समायोजन किया गया है। अनंतिम निर्यात कीमत का र पर किया गया है। अनन्तिम निर्यात की बाह्य स्तनिर्धारण फैक्ट्रीमत का निर्धारण फैक्टरी बाह्य स्तर पर किया गया जैसा कि नीचे की तालिका में उल्लेख किया गया है -:

विवरण	इकाई	चीन जनगण.	कोरिया आरपी	ईयू	उक्रेन
निवल निर्यात कीमत	अमरीकी डालरटन.मी /	***	***	***	***

च.7 पाटन मार्जिन

44. ऊपर यथा निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए अनंतिम पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नवत किया गया है। यह देखा जाता है कि पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक और पर्याप्त है।

क्र.सं.	विवरण	इकाई	चीन जनगण.	कोरिया आरपी	ईयू	उक्रेन
1	सामान्य मूल्य	अमरीकी डालरटन.मी /	***	***	***	***
2	निवल निर्यात कीमत	अमरीकी डालरटन.मी /	***	***	***	***
3	पाटन मार्जिन	अमरीकी डालरटन.मी /	***	***	***	***
4	पाटन मार्जिन - %	%	***	***	***	***
5	पाटन मार्जिन रेंज-%	%	45-55	40-50	70-80	60-70

क्षति का आकलन एवं कारणात्मक संबंधों की जांच

छ. क्षति

45. विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किया है :

- प्राधिकारी को यह नोट करना चाहिए कि भारत को सोडियम नाइट्रेट के कुल आयातों में कैलेंडर वर्ष के आधार पर तीन स्रोतों अर्थात् अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केन्द्र के वाणिज्यिक एवं यूएन कामट्रेड और भारत गणराज्य , 2009 उद्योग मंत्रालय के अनुसार गिरावट आयी है। वर्ष-2011 की तुलना में वर्ष 10- 48 में कुल आयातों में 12 प्रतिशत तक गिरावट आयी है। उक्रेन से आयात वर्ष 2009-2011 की तुलना में वर्ष 10-प्रतिशत तक 82 में 12 घटेहैं । वर्ष 2010-में उक्रेन से 2013 वर्षमें उक्रेन से भारत को कोई आयात नहीं किया गया। इसके अतिरिक्त 11

में भार 2013 उक्रेन से आयातों ने वर्ष :भारत को सोडियम नाइट्रेट की आपूर्ति नहीं की गई। अतः बाजार को प्रभावित नहीं किया। उक्रेन से आयातों में तथा भारत को कुल आयातों में कोई भारी वृद्धि नहीं हुई है।

ii) “ ख करती है याचिका यह उल्लेख में भारी सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है। परंतु मांग में घटने ” दन और उसकी बिक्री की प्रवृत्ति है। मांग में गिरावट ही वह कारण हो सकती है जिसने याचिकाकर्ता के उत्पाद मात्रा को प्रभावित किया है।

iii) ख है कि याचिकाकर्ता ने याचिका में यह उल्लेखीय उत्पाद का कोई निर्यात नहीं किया है। तथापि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केन्द्र की वेबसाइट के अनुसार याचिकाकर्ता निर्यातक कंपनियों में से एक है। याचिकाकर्ता ने सांख्यिकीय आंकड़ों में फेर बदल कर करके प्राधिकारी को धोखा देने का प्रयास किया है।

iv) याचिकाकर्ता के लाभ में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है और पिछली अवधि के दौरान उसमें 56 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। मार्च 2009 और मार्च 2013 के बीच प्रशासनिक व्यय में 2 गुणा तक भारी वृद्धि हुई 7 कारकों के बीच को उन अन्य है। इन व्यय में माना जाना चाहिए जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं। वर्ष 2009-2011 की तुलना में वर्ष 10-23 दन में उत्पाद 12.2009 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। वर्ष 3-की तुलना में 10 2011 वर्ष-2009 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। वर्ष 24 में घरेलू बिक्रियों में 12-2011 की तुलना में वर्ष 1012 में प्रतिदिन उत्पादकता में 2009 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। वर्ष 20-2011 की तुलना में वर्ष 10- 24 में निर्यात में 12 2009 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है और वर्ष-2011 की तुलना में वर्ष 10- गुणा वृद्धि हुई है। 2 में वेतन में 12

v) पर विचार करते हुए उपयुक्त भारत को सोडियम नाइट्रेट के उक्रेन से होने वाले आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करना पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में उचित नहीं होगा।

46. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किया है :

(क) संबद्ध आयातों में समग्र रूप से भारी वृद्धि हुई है।

(ख) संबद्ध आयातों में कुल आयात और भारत में खपत तथा उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है।

(ग) संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोदहन पर्याप्त सीमा तक कर रहे हैं।

(घ) कीमत अधोदहन ने घरेलू उद्योग को कीमतें बढ़ाने से रोक रखा है। आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का निग्रहण कर रहे हैं।

(ङ) उत्पादननिवेश पर अर्जन और नकद ,लाभ ,मालसूची ,बाजार हिस्सा ,क्षमता उपयोग ,घरेलू बिक्रियों , लाभ के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में बहुत अधिक सीमा तक गिरावट आयी है।

(च) पाटित आयातों की मात्रा में और अधिक वृद्धि होने की चुनौती है जो यदि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण नहीं किया गया तो घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को और अधिक बढ़ा देगी।

(छ) इस बात पर विचार करते हुए कि जांच की अवधि माह के लिए है याचिकाकर्ता ने विगत व 15 वर्ष से तुलना करने के लिए आंकड़ों को कर दिया है। "वार्षिकीकृत"

(ज) क्षति का संचयी आकलन उपयुक्त है कतिपय अवधि में कतिपय देश से आयात मात्रा अधिक थी और उसी देश से कतिपय अन्य अवधि में आयात मात्रा कम थी। उक्रेन के मामले में वर्ष 2009-में कुल आयातों में उक्रेन 10 2010 बहुत अधिक था जबकि वर्षका हिस्सा- में वहां से कोई आयात रिपोर्ट नहीं किये गये 11 हैं। तत्पश्चात् , में भारी वृद्धि हुई है। अर्थात् दो वर्षों में उक्रेन से आयातों के हिस्से उल्लेखित देश भारतीय बाजार में एक विभिन्न : र्धा कर रहे दूसरे से प्रतिस्पर्ध हैं। इसके अतिरिक्त जांच की अवधि में उक्रेन भारतीय बाजार में इस उत्पाद का एक बढ़ा आपूर्तिकर्ता था। वास्तव में उक्रेन से आयात व्यक्तिगत रूप से देश में उत्पादों के कुल आयात का एक मात्र भारी हिस्सा बनते हैं।

(झ) उक्रेन सरकार ने चुनिंदा रूप से वर्ष 2009-2011 की तुलना में वर्ष 10- ,क्षमता उपयोग ,दनमें उत्पाद 12 त की गई सूचना से यह देखा जा निर्यात और वेतन में वृद्धि की तुलना की है। प्रस्तु ,दकता उत्पाद ,घरेलू बिक्रियों क्षमता ,दनसकता है कि उत्पाद उपयोगदकता में जांच की अवधि में पहले वृद्धि हुई और घरेलू बिक्रियों और उत्पाद , फिर गिरावट आयी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

47. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 का पैरा 33 के यह अपेक्षा करता है कि यदि एक से अधिक देश से उत्पा (आयातों के मामले में पाटनरोधी जांच एक साथ की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी इन आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करेंगे: यदि यह निर्धारित होता है तो, —

क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन का मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा सामान्य वस्तु के आयातों का तीन प्रतिशत है अथवा जहां व्यक्तिगत देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है वहां सामूहिक रूप से आयात समान वस्तु आयातों का सात प्रतिशत से अधिक होता है और

ख. आयातित वस्तु तथा सामान्य घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति के आलोक में आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उपयुक्त होता है।

48. इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि :

क. प्रत्येक संबंध देश से पाटन का मार्जिन नियमों के अंतर्गत विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक है।

ख. प्रत्येक संबंध देश से आयात की मात्रा निर्दिष्ट सीमा से अधिक है और ,

ग. आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति के आलोक में घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु के संबंध में यूरोपियन यूनियन गण. चीन जन ., , उक्रेन और कोरिया आरपी से संबद्ध वस्तु के आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उपयुक्त होगा।

49. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 में के लिए पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तु (क) घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभावों के घरेलू इन वस्तु (ख) और , उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों की उद्देश्य परक जांच करने का प्रावधान है। पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से और भारत में उत्पादन अथवा खपत के संबंध में भारी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोदहन किया जा रहा है। अथवा इन आयातों का प्रभाव कीमतों को भारी मात्रा में निग्रह करने अथवा कीमत वृद्धि को रोकने का है जो अन्यथा भारी मात्रा में गठित हुआ होता।

50. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के विचारों पर विचार किया और उसका समुचित रूप से निराकरण कर दिया है।

51. उक्रेन की सरकार ने तर्क दिया है कि आयातों में गिरावट हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्रेन से आयातों की मात्रा में आधार वर्ष 2009-2010 की तुलना में वर्ष 10-2011 और 11-व में गिरावट आयी है परंतु जामें वास्त 12^व की अवधि के वार्षिकीकृत आंकड़े यह दर्शाते हैं कि जांच की अवधि में मांग में गिरावट होने के बावजूद भी जांच की अवधि में उक्रेन से आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त उक्रेन की सरकार ने घरेलू उद्योग द्वारा सहन की जा रही क्षति , के संबंध में याचिकाकर्ता के दावे का विरोध किया है। यह नोट किया जाता है कि उक्रेन की सरकार ने वर्ष 2011-के 12 उसने जांच की : अत , दन पर विचार किया है और उसकी विगत वर्ष से तुलना की है। दौरान घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन की अवहेलना की है। प्राधिकारी नोट करते अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पा हैं कि जांच की अवधि का निर्धारण करने का प्रयोजन जांच की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन का निर्धारण होता है और उसके बाद यह आकलन करना होता है कि क्या यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि जांच की अवधि में घरेलू उद्योग को विगत अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन के संबंध में क्षति हुई है। अत यह जा : ंच की अवधि होती है जिसमें घरेलू उद्योग के निष्पादन पर विचार किया जाना चाहिए। विगत वर्ष केवल तुलना करने के लिए आधार के रूप में कार्य करता है।

52. यह नोट किया जाता है कि वर्तमान मामले में नियमों के अंतर्गत क्षति का संचयी आकलन करने के लिए विनिर्दिष्ट शर्तें पूरी होती हैं इसलिए प्राधिकारी ने केवल उक्रेन से होने वाले आयातों पर विचार न करते हुए संबद्ध देशों से आयातों पर संचयी रूप से विचार करके घरेलू उद्योग की क्षति का आकलन किया है।

53. यह नोट किया जाता है कि विगत वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में मांग में बाजार हिस्से में मामूली सी वृद्धि हुई है। तथापि आयातों में भारी मात्रा में और आनुपातिक रूप से बढ़ोतरी हुई है। तत्पश्चात् 2011 वर्ष , -में जहां मांग 12 जांच की अवधि में मांग में कुछ वृद्धि हुई है गिरावट आयी है वहीं आयातों में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त है वहीं आयातों

में वृद्धि मांग में हुई वृद्धि की तुलना में बहुत अधिक है। अतः 2010 यह देखा जा सकता है कि वर्ष :-तके पश्चा 11 आयातों में वृद्धि मांग में हुई वृद्धि से बहुत अधिक है।

54. घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी और घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन के संबंध में उक्रेन की सरकार द्वारा प्रस्तुत किये गये तर्कों की भी जांच की गई है। यह नोट किया जाता है कि , आर्थिक पैरामीटरों में प्रदर्शित होता है जैसा कि विभिन्न , य जैसे पैरामीटरों के संबंध में उक्रेन की सरकार के तर्क घरेलू उद्योगहानि और प्रशासनिक व्य/लाभके समग्र प्रचालनों पर आधारित है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है और यह कई उत्पादों का उत्पादन और बिक्री करती है। प्राधिकारी को केवल विचाराधीन उत्पाद से संबंधित सूचना पर ही विचार करना अपेक्षित होता है। घरेलू उद्योग का समग्र निष्पादन जो कि विभिन्न उत्पादों के लिए घरेलू उद्योग की स्थिति का संचयी रूप से प्रदर्शन करता है घरेलू उद्योग पर पारित आयातों के परिणामी प्रभाव का निश्चय करने के लिए संगत नहीं होता है। यह भी नोट किया जाता है कि उक्रेन की सरकार ने वर्ष 2009-2011 और वर्ष 10-दन की तुलना की है और जांच की अवधि के के बीच घरेलू उद्योग के निष्पा 12 दन पर विचार नहीं किया है। यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने जांच की अवधि का दौरान घरेलू उद्योग के निष्पा दन उस पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए किया हनिष्पा ै जो जांच की अवधि के दौरान भारत में किये गये आयातों के बारे में प्रचलित था। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी को जांच की अवधि के दौरान के साथसाथ विगत वर्ष - दन की जांच करना भी अपेक्षित होता है। इस संबंध में विगत अवधि के लिए सूचना यह निर्धमें घरेलू उद्योग के निष्पाारित करने के लिए बेंचमार्क के रूप में कार्य करती है कि क्या जांच की अवधि में निष्पादन को क्षतिकारित रुप में वर्णित किया जा सकता है।

छ.1 पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव घरेलू उद्योग पर प्रभाव

(क) मांग और बाजार हिस्से का आकलन

55. प्राधिकारी ने मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों दकों की बिक्रियों और सभी स्रोतों से उत्पादन , भारत में संबद्ध (डीजीसीआईएस आंकड़ों के अनुसार) वस्तु के आयात के योग के रूप में किया है। इस तरह आकलित मांग को निम्नलिखित तालिका में देखा जा सकता है:—

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	पीओआई (वार्षिकीकृत)
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	मीटन.	7,793	10,855	9,624	9,172
अन्य उत्पादकों की बिक्रियां	मीटन.	3,953	2,568	2,580	2,580
संबद्ध देशों से आयात:	मीटन.	4,073	3,093	2,954	3,730
चीन जनगण.	मीटन.	1,917	2,012	448	448
कोरिया आरपी	मीटन.	0	762	1,119	735
ईयू	मीटन.	931	319	1,085	1,290
उक्रेन	मीटन.	1,226	0	302	1,257
अन्य देश	मीटन.	409	140	63	20
कुल मांग	मीटन.	16,228	16,656	15,221	15,503
मांग में बाजार हिस्सा:					
• घरेलू उद्योग	%	48.02	65.17	63.23	59.17
• अन्य उत्पादक	%	24.36	15.42	16.95	16.64
• संबद्ध देश:	%	25.10	18.57	19.41	24.06
चीन जन गण.	%	11.81	12.08	2.94	2.89
कोरिया आरपी	%	-	4.57	7.35	4.74

ईयू	%	5.73	1.91	7.13	8.32
उक्रेन	%	7.55	-	1.98	8.11
• अन्य देश	%	2.52	0.84	0.41	0.13

56. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट आयी है। तथापि विगत वर्ष की तुलना में उसमें वृद्धि हुई है। प्राधिकारी पुनः नोट करते हैं : कि वर्ष 2010-में 11 त में गिरावट आयी है और उसके पश्चात् मांग में संबद्ध देशों के बाजार हिस्से उसमें जांच की अवधि तक वृद्धि हुई है। दूसरी ओर वर्ष 2010- में वृद्धि हुई है और उसके बामें घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से 11 त जांच की अवधि तक उसमें गिरावट आयी है। यह नोट किया जाता है कि यद्यपि जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है तथापि सम्बद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में मामूली सी गिरावट आई है।

ख(पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव आयात मात्रा और बाजार हिस्सा :

57. भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में आयातों की मात्रा और आयात निम्नलिखित तालिका में दिये गये हैं :-

आयात मात्रा	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	पीओआई (वार्षिकीकृत)
चीन जन गण.	मीटन.	1,917	2,012	448	448
कोरिया आरपी	मीटन.	0	762	1,119	735
ईयू	मीटन.	931	319	1,085	1,290
उक्रेन	मीटन.	1,226	0	302	1,257
संबद्ध देश	मीटन.	4,073	3,093	2,954	3,730
अन्य देश	मीटन.	409	140	63	20
कुल आयात	मीटन.	4,482	3,233	3,017	3,751
निम्नलिखित के संबंध में संबद्ध देशों से आयात:					
• कुल आयात	%	91%	96%	98%	99%
• खपत	%	25%	19%	19%	24%
• उत्पादन	%	32%	21%	22%	29%

58. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2009- में कोरिया आरपी 10 से कोई आयात नहीं हुआ था। तथापि उस वर्ष ईयू 2009 चीन और उक्रेन से भारी आयात हुए थे। वर्ष ,-गण.के दौरान चीन जन 10. से आयात की मात्रा बहुत अधिक थी और इसमें वर्ष 2010-2009 त इसमें जांच की अवधि तक गिरावट आयी। वर्ष 2011- में कोरिया आरपी से कोई आयात नहीं हुआ था परंतु उसमें वर्ष 2011-तक वृद्धि हुई तथा जांच की अवधि के दौरान 12 2010 उसमें गिरावट आयी। वर्ष-तमें ईयू से आयातों में गिरावट आयी और उसके पश्चात् 11 आयातों में जांच की अवधि तक वृद्धि हुई है। वर्ष 2009-2010 में उक्रेन से भारी मात्रा में आयात हुए थे उसमें वर्ष 10-तक गिरावट आकर यह निर्यात 11

तश्चात्तप, हो गणशून्य इस निर्यातों में जांच की अवधि तक वृद्धि हुई है। जांच की अवधि के दौरान उक्रेन से आयातों में आधार वर्ष की तुलना में बढ़ोतरी हुई है और विगत वर्ष की तुलना में इसमें भारी वृद्धि हुई है। पुनः नोट किया जाता है : 2011 कि वर्ष-तक संबद्ध देशों के संचयी आयातों की मात्रा में गिरावट आयी है और उसके पश्चा 12 विगत वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान इनमें भारी वृद्धि हुई है।

छ. 2 पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर कीमत प्रभाव

क(कीमत अधोरदन और कीमत अधोबिक्रयण

59. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2)लिखित में निम्न (:निर्धारित किया गया है

के 18 नियम"उपनियम)2 में यथाउल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट (द की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी भारत में समान उत्पादाधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या इन आयातों का प्रभाव कीमतों को भारकीमत अधोरदन किया गया है अथवा क्याी मात्रा में निग्रह कर रहा है। अथवा कीमतों को बढ़ने से रोक रहा है जिनमें अन्यथा भारी मात्रा में वृद्धि हुई होती।

60. पाटित आयातों का कीमतों पर प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करनी होती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया जा रहा है अथवा इन आयातों का प्रभाव अन्यथा भारी मात्रा में कीमतों को निग्रह करने वाला होगा अथवा यह उन कीमतों में बढ़ोतरी होने से रोकेगा जो अन्यथा भारी मात्रा में हुई होती। इस संबंध में संबंधित उत्पाद के उतराई मूल्य और घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच तुलना की गई। यह तुलना दर्शाती है कि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों के मूल्य के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु का भारतीय बाजार में ऐसी कीमतों पर आयात किया गया जो घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से कम थी। अतः यह : के आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे थे। नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु

61. कीमत अधोरदन का निर्धारण निम्नवत किया गया है :-

चीन जनगण.

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	पीओआई
उतराई कीमत	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
निवल बिक्री प्रापण	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	% रेंज	15-15	5-15	0-10	5-25

कोरिया आरपी

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	पीओआई
उतराई कीमत	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
निवल बिक्री प्रापण	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	% रेंज	-	0-10	5-15	0-10

ईयू

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	पीओआई
उतराई कीमत	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
निवल बिक्री प्रापण	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	% रेंज	5-15	5-15	10-20	10-20

उक्रेन

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	पीओआई
उतराई कीमत	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
निवल बिक्री प्रापण	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	% रेंज	0-10	-	5-15	10-20

संबद्ध देश

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	पीओआई
उतराई कीमत	रुपये/टन.मी /	22,389	21,318	24,716	27,132
निवल बिक्री प्रापण	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	% रेंज	5-15	5-15	5-15	5-15

62. उपर्युक्त से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम थी जिससे संबद्ध देशों से पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन कारित किया जाना प्रदर्शित हो रहा है।

63. कीमत अधोबिक्रयण का निर्धारण निम्नवत किया गया है :-

विवरण	इकाई	चीन जनगण.	कोरिया आरपी	ईयू	उक्रेन
-------	------	--------------	----------------	-----	--------

गैर क्षतिकारित कीमत (एनआईपी)	रुपये / टन.मी	***	***	***	***
उतराई कीमत	रुपये / टन.मी	524.55	544.70	490.11	503.99
कीमत अधोविक्रयण	रुपये / टन.मी	***	***	***	***
कीमत अधोविक्रयण - %	%	***	***	***	***
कीमत अधोविक्रयण रेंज	%	25-35	20-30	35-45	30-40

ख(कीमत निग्रहण और अवमंदन

64. यह निर्धारित करने के लिए की क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों का निग्रहण अथवा अवमंदन कर रहे हैं और क्या इन आयातों का प्रभाव कीमतों का भारी मात्रा में निग्रहण करना है अथवा कीमतों को बढ़ने से रोकना है जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हुआ होता प्राधिकारी विचार करते हैं कि क्षति अवधि में लागत और कीमत में परिवर्तन आया है। इस संबंध में हुई प्रवृत्तियों को संक्षेप में निम्नलिखित रूप से दर्शाया गया है -:

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
विक्रियों की लागत	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	100	140	159
निवल विक्री प्रापण	रुपये/टन.मी /	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	93	110	122
संबद्ध देशों से समग्र रूप में आयातों की उतराई कीमत	रुपये/टन.मी /	22,389	21,318	24,716	27,132

65. यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2010-को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान निवल विक्री प्रापण में बढ़ोतरी हुई है। तथापि यह उसी अवधि के दौरान विक्रियों की लागत में, हुई वृद्धि से कम है। क्षति अवधि के दौरान 2010 वर्ष, -के 11 में बउतराई मूल्य, सिवायदोतरी हुई है। तथापि में यह बउतराई मूल्य, दोतरी लागत और विक्री कीमत में हुई वृद्धि से बहुत कम है। अतः पाटित आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को निग्रहीत कर रहे हैं। :

छ.3 घरेलू उद्योग के आर्थिक पैरामीटर

66. पाटन रोधी नियमावली का अनुबंध-2 यह अपेक्षा करता है कि क्षति निर्धारण में इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्य परक जांच अंतर्ग्रस्त होगी। इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटन रोधी नियमावली में पुनर्यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव : जिनका घरेलू, की जांच में उन सभी संगत कारकों और देशनाकों उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ रहा है परक एवं उद्देश्य, निवेश पर अर्जन, दकताउत्पा, बाजार हिस्सा, आउटपुट, विक्री, कन शामिल होना चाहिए जिसमें लाभपक्षपात रहित मूल्यों पाटन के मार्जिन, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, विक एवं संभावित गिरावट अथवा क्षमता उपयोग में वास्त, की मात्रा नकदी प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित ऋणात्मक प्रभावपूजी निवेश, वृद्धि, वेतन, रोजगार, मालसूची,

लिखित रूप से किया क्षति पैरा मीटरों का वर्णन निम्न उगाहने की क्षमता शामिल होगी। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न -गया है

क(क्षमताक्षमता उपयोग औ ,दनउत्पा ,र बिक्रियां

67. घरेलू उद्योग की क्षमता :लिखित हैक्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा से संबंधित सूचना निम्न ,दनउत्पा ,

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)
संयंत्र क्षमता	मीटन.	44,000	44,000	44,000	44,000
संयंत्र उत्पादन (एसएनआई+एसएनए)*	मीटन.	38,151	42,810	41,106	40,230
संयंत्र क्षमता उपयोग	%	86.71	97.30	93.42	91.43
उत्पादन – पीयूसी	मीटन.	8,952	12,365	11,042	10,479
बिक्री मात्रा – पीयूसी	मीटन.	7,793	10,855	9,624	9,172

*एसएनआई – सोडियम नाइट्राइट सोडियम नाइट्रेट-एसएनए ,

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन सोडियम नाइट्राइट के साथ संयुक्त रूप से किया जाता है। चूंकि उत्पादन सुविधाएं साझा हैं और उत्पाद का सहदन किया जाता है कि इसलिए क्षमता उपयोग की जांच उत्पा-सोडियम नाइट्राइट और सोडियम नाइट्रेट के संयुक्त उत्पादन पर विचार करते हुए की गई है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि 44, 000मीदन क्षमता है। इसलिए उत्पादन की क्षमता सोडियम नाइट्राइट और सोडियम नाइट्रेट दोनों की संयुक्त दन कन करने के लिए प्राधिकारी ने सोडियम नाइट्राइट और सोडियम नाइट्रेट दोनों के उत्पादक्षमताओं के उपयोग का मूल्यां पर विचार किया है और क्षमता उपयोग का निर्धारण किया है।

69. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के घरेलू बिक्री दन और क्षमता उपयोग में वर्षउत्पा , 2010- त उसमें गिरावट आयी है।तक बढ़ोतरी हुई और उसके पश्चा 11

ख(लाभ लगाई गई पूंजी पर अर्जन और नकद लाभ ,

70. घरेलू उद्योग के लाभनिवेश पर , अर्जन और नकदी प्रवाह की जांच निम्नलिखित की गई है:—

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)
बिक्री लागत	रुपयेटन.मी/	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	100	140	159
बिक्री कीमत	रुपयेटन.मी/	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	93	110	122
लाभ हानि/	रुपयेटन.मी/	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	(2)	(332)	(419)
लाभ हानि/	लाख रुपये	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	(3)	(410)	(493)

ब्याज एवं कर पूर्व लाभ	लाख रुपये	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	20	(295)	(348)
नकद लाभ	लाख रुपये	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	60	(236)	(287)
लगाई गई पूंजी पर अर्जन(एनएफए आधार)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	17	(219)	(264)

71. उपर्युक्त से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि :

ii) घरेलू उद्योग की निबल बिक्री कीमत और बिक्री लागत दोनों में जांच की अवधि के दौरान बढ़ोतरी हुई है। तथापि घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में वृद्धि उसकी बिक्री कीमत में हुई वृद्धि की तुलना में बहुत अधिक है। घरेलू , उद्योग की लाभप्रदायकता में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आयी है।

iii) लाभ में गिरावट के परिणाम स्वरूप निवेश पर अर्जन और नकद लाभ में आधार वर्ष के साथसाथ विगत - वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान भारी गिरावट आयी है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को 2011 जांच की अवधि और वर्ष-क अर्के दौरान लगाई गयी पूंजी पर ऋणात्म 12जन और नकद घाटा हुआ है।

ग(रोजगार एवं वेतन

72. घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर एवं वेतन की स्थिति को निम्नवत दर्शाया गया है :

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)
रोजगार	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	121	112	116
वेतन एवं पारिश्रमिक	लाख रुपये	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	182	213	196	156
पारिश्रमिक प्रति इकाई	रुपयेकिग्रा/ इकाई	***	***	***	***

73. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि रोजगार स्तर में वर्ष 2010-में वृद्धि हुई और बाद में इसमें गिरावट 11 आयी और जांच की अवधि में इसमें पुनः 2011 यह नोट किया जाता है कि वेतन में भी वर्ष :वृद्धि हुई। पुन :-तक ब 12दोतरी हुई और जांच की अवधि में इसमें गिरावट आयी। वर्ष 2011-तक प्रतिइकाई वेतन में वृद्धि हुई और जांच की अवधि में 12 इसमें गिरावट आयी।

घ(उत्पादकता

74. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नलिखित तालिका में दी गई है:—

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	मीटन.	***	***	***	***
उत्पादकता प्रति दिन	मीटन.	***	***	***	***

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रति कर्मचारी उत्पादकता और प्रतिदिन उत्पादकता में वर्ष 2010-में बढ़ोतरी हुई 11 त जांच की अवधि तक इसमें गिरावट आयी है। और उसके पश्चा

ड(मालसूची

76. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की मालसूची की जांच की है जो निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
औसत भंडार	मीटन.	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	227	439	191

77. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की माल सूची में वर्ष 2011-तक वृद्धि हुई और 12 जांच की अवधि में इसमें गिरावट आयी ।

च(पाटन का विस्तार

78. उस विस्तार के संकेतक के रूप में जिस तक पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाई जा सकती है पाटन की मात्रा यह दर्शाती है कि संबद्ध देशों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक और महत्वपूर्ण है।

छ(घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

79. संबद्ध देशों तथा अन्य देशों से आयात कीमत घरेलू बाजार में प्रतिस्, लागत ढांचे में परिवर्तन, पध्दापाटित आयातों, पर विचार दर्शाता है कि, कारक जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं के अलावा अन्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है जिससे भारतीय बाजार में भारी संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का उतराई मूल्य कीमत अधोरदन कारित किया जा रहा है। कच्चे माल की कीमत में बढ़ोतरी होने के परिणाम स्वरुप संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत में वृद्धि हो रही है। घरेलू उद्योग ने अपनी कीमतों में बढ़ोतरी की है तथापि बढ़ायी गई कीमत लागत में हुई बढ़ोतरी से बहुत कम है। पुनयह नोट किया जाता है क ःि अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के आयात उच्चतर कीमतों पर हुए हैं। अतः माल की लागत और कच्चे का उतराई मूल्य घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु है।

ज(पूंजी उगाहने की क्षमता

80. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि वर्तमान मामलों की स्थितिपर विचार करते हुए, दन नहीं कर रहा है द लगातार पाटन के कारण निरंतरण सही निष्पाजहां उत्पा, ना नहीं की जा सकती हकिसी नये निवेश की परिकल्पै।

झ(वृद्धि

81. घरेलू उद्योग के विकास के संबंध में स्थिति निम्नवत है:—

वर्ष दर वर्ष विकास	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
उत्पादन	%	-	38.13	(10.70)	(5.10)
घरेलू बिक्रियां	%	-	39.28	(11.34)	(4.69)
बिक्रियों की लागत	%	-	***	***	***

बिक्री कीमत	%	-	***	***	***
लाभ प्रति मीटन.	%	-	***	***	***
निवेश पर अर्जन (एनएफए)	%	-	***	***	***

82. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का उत्पादनलाभ और निवेश पर अर्जन में क्षति अवधि के ,बिक्री मात्रा , क वृद्धि प्रदर्शित हुई हैदौरान ऋणात्म । क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की समग्र वृद्धि विपरीत रही है।

छ.4 क संबंध ज्ञात कारक एवं कारणात्मकअन्य

83. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को अन्य बातों के साथसाथ पाटित आयातों के अलावा - सभी ज्ञात कारकों की जांच करना अपेक्षितअन्य होता है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हो ताकि इन अन्य कारकों द्वारा कारित क्षति के लिए पाटित आयातों को उत्तरदायी न ठहराया जा सके। इस संबंध में जो संगत कारक हो सकते हैं उनमेंउन आयातों की मात्रा जिनकी बिक्री पाटित कीमतों पर नहीं , बातों के साथअन्य , की गईमांग में संकुचन अथवा , ,धर्मादकों के बीच प्रतिस्पर्दकों और विदेशी उत्पादघरेलू उत्पा ,क प्रक्रियाएंपार प्रतिबंधात्मकव्या ,खपत की प्रणाली में परिवर्तन दकता शामिल है। प्राधिकारी ने यह जादन और घरेलू उद्योग की उत्पानिर्यात निष्पा ,प्रौद्योगिकी में विकासं च की है कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य कारकों ने घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति में अपना योगदान दिया है।

84. कारणात्मक संबंधों की जांच निम्नवत की गई है :

(क) तृतीय देशों से आयात तथा अन्य ज्ञात कारक

85. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों के अलावा अन्य देशों से आयात की मात्रा क्षति अवधि के दौरान महत्वहीन रही है।

(ख) मांग में संकुचन औरया खपत की प्रणाली में परिवर्तन /

86. क्षति अवधि के दौरान मांग में कुछ गिरावट आयी है। तथापि घरेलू उद्योग को मांग में किसी परिवर्तन के बजाय पाटित आयातों के कारण क्षति सहन करनी पड़ी है। उपलब्ध सूचना से यह नोट किया जाता है कि मांग में गिरावट होने के बावजूद पाटित आयातों की मात्रा में बढ़ोतरी हुई है।

(ग) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं और विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

87. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु की केवल एक मात्र बाजार है जहां संबद्ध देशों से पाटित आयातों के बीच घरेलू उद्योग द्वारा आपूरित संबद्ध वस्तु से प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा हुई है। यह नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु समान वस्तुएं हैं और उनका प्रयोग समान अनुप्रयोगोंअंतिम प्रयोगों के लिए किया जाता / र्धा का कोई दकों के बीच किसी ऐसी प्रतिस्पर्दकों तथा घरेलू उत्पाक प्रक्रियाओं और विदेशी उत्पापार प्रतिबंधात्मक है। व्या नहीं है जिससे घसाक्ष्यरेलू उद्योग को क्षति हो रही हो।

(घ) प्रौद्योगिकी में विकास

88. प्रौद्योगिकी में कथित रूप से कोई विकास नहीं हुआ है और न ही जांच में अभी तक यह प्रदर्शित हुआ है कि प्रौद्योगिकी में विकास द्वारा घरेलू उद्योग को कोई संभावित क्षतिकारित की गई है।

(.ड) निर्यात निष्पादन

89. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता कंपनी के निर्यात की मात्रा उत्पादन की कुल बिक्री का लगभग 100 घरेलू उद्योग को क्षति :दन से संबंधित है। अतप्रतिशत बनती है। तथापि क्षति सूचना याचिकाकर्ता कंपनी के घरेलू निष्पा अवधि और जांच की अवधि के दौरान हुए घाटे के लिए घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में संभावित गिरावट को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

90. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन में गिरावट के लिए पाटित आयातों की मात्रा में बढ़ोतरी को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारक यह नहीं दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को इन कारकों से क्षति कारित हुई है तथापि निम्नलिखित पैरामीटर यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग की क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है :-

(क) संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र स्तर पर भारी वृद्धि हुई है। संबद्ध वस्तु के कुल आयात में संबद्ध देशों से पाटित आयातों का बाजार हिस्सा लगभग जांच की अवधि में प्रतिशत है। 100

(ख) आयातों से घरेलू कीमतों का भारी कीमत अधोरदन हो रहा था। इसके परिणाम स्वरूप कीमत अधोरदन से घरेलू उद्योग पर कीमत दबाव पड़ा। इसके परिणाम स्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता में गिरावट आयी है।

(ग) पाटित आयातों का कीमत निग्रहण के रूप में भारी विपरीत कीमत प्रभाव हुआ है। भारी कीमत अंतर और कीमत में बढ़ोतरी के अनुपात में कीमतों में वृद्धि करने में घरेलू उद्योग की अक्षमता के परिणाम स्वरूप घरेलू उद्योग के निष्पादन में लाभ नकद लाभ और निवेश पर अर्जन के रूप में गिरावट आयी है। अतनकदी ,लाभ : प्रवाह और निवेश पर अर्जन के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट देश में उत्पाद के पाटन के कारण आयी है।

(घ) घरेलू उद्योग का विकास मात्रा और कीमत पैरामीटरों के संबंध में ऋणात्मक रहा है।

(.ड) यद्यपि वर्ष 2010-में जांच की अवधि में 11० आयात की मात्रा और इसके बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है तथापि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आयी है। इसके परिणाम स्वरूप घरेलू उद्योग के उत्पादन ,विक्री , क्षमता उपयोग में गिरावट आयी है।

छ.5 क्षति एवं कार्यकारण संबंधी निष्कर्ष

92. क्षति एवंकारणात्मक सम्बंधों की उपर्युक्त जांच से यह नोट किया जाता है कि सम्बद्ध वस्तु के कुल आयातों में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा जांच की अवधि में लगभग समान ही बना रहा। उसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। तथापि पाटित आयातों का कीमत निग्रहण और कीमत अधोविक्रयण के रूप में भारी विपरीत कीमत प्रभाव हुआ है। घरेलू उद्योग की स्थिति में क्षति अवधि में वास्तविक गिरावट प्रदर्शित हुई है जो सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के भारी पाटित आयातों के कारण हुई है। लाभलगाई गई , पूंजी पर आवक औरनकदी प्रवाह में भारी गिरावट आई है जिससे यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों द्वारा कारित की गई है। उसी की ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और यह क्षति यूरोपियन यूनियनउक्रेन ,गण.जन.चीन , के पाटित आयातों के कीमत प्रभाव क कारण कारित की गई है।द्ध वस्तुऔर कोरिया आरपी से सम्ब

क्षति और क्षति मार्जिन का विस्तार

93. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की गैर क्षतिकारी कीमत का निर्धारण घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए किया है। घरेलू उद्योग की इस गैर क्षतिकारी कीमत की तुलना क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के उतराई मूल्य से की गई। क्षति मार्जिन को निम्नवत निर्धारित किया गया है :

क्षति मार्जिन

क्र.सं.	देश	मापन की इकाई	चीन	कोरिया	ईयू	उक्रेन
1.	गैर क्षतिकारित कीमत (एनआईपी)	अमरीकी डालरग्रा.कि/	***	***	***	***
2.	उतराई कीमत	अमरीकी डालरग्रा.कि/	524.55	544.70	490.11	503.99

3.	क्षति मार्जिन	अमरीकी डालरग्रा.कि/	***	***	***	***
4.	क्षति मार्जिन-%	%	***	***	***	***
5.	क्षति मार्जिन रेंज-%	%	25-35	20-30	35-45	30-40

94. यथानिर्धारित क्षति मार्जिन और पाटन मार्जिन का स्तर बहुत अधिक माना गया है।

ज. भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

95. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्य रूप से पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का प्रशमन करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं पक्षपात रहित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित हो सके। पाटन रोधी शुल्क का अधिरोपन करने का उद्देश्य देशों से आयातों को किसी भी रूप में प्रतिबंधित करना नहीं है, और, अतः, इससे उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

96. यह माना जाता है कि पाटन रोधी शुल्क का अधिरोपण करने से उन उत्पादों की कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है जिनका विनिर्माण संबद्ध वस्तु का प्रयोग करके किया जाता है और इसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की संगत प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपाय खासकर तब जब पाटन रोधी शुल्क का अधिरोपण घरेलू उद्योग को कारित क्षति का समाधान करने के लिए जरूरी राशि तक प्रतिबंधित कर दिया जाए तो इससे भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में किसी तरह की कमी नहीं आयेगी। इसके विपरीत, पाटन रोधी शुल्क का अधिरोपण पाटन प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ को दूर कर देगा, घरेलू उद्योग को पतन से बचायेगा और उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु के व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाये रखने में सहायता करेगा।

झ. निष्कर्ष

97. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि विचाराधीन उत्पाद सोडियम नाइट्रेट का भारत को यूरोपियन यूनियन, चीन, उक्रेन और कोरिया आरपी से निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया जिसके परिणामस्वरूप इस उत्पाद का पाटन हुआ। घरेलू उद्योग को सम्बद्ध वस्तु के बारे में वास्तविक क्षति सहन करनी पड़ी। यह वास्तविक क्षति यूरोपियन यूनियन, चीन जनगण., उक्रेन और कोरिया से पाटित आयातों के कारण हुई।

ञ सिफारिशें

98. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई तथा सभी हितबद्ध पक्षकारों को इसकी सूचना दी गई और निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के सभी पहलुओं पर सकारात्मक जानकारी प्रदान कराने के लिए उन्हें पर्याप्त अवसर दिया गया। पाटन रोधी नियमावली में दी गई शर्तों के अनुरूप पाटन क्षति और कारणात्मक संबंधों की जांच प्रारंभ करके एवं आयोजित करके तथा इन पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के लिए सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं वास्तविक क्षति की स्थापना करके, प्राधिकारी का विचार है कि पाटन एवं 'क्षति' को दूर करने के लिए निर्णायक शुल्क का अधिरोपण करना अपेक्षित है। अतः यूरोपियन यूनियन, चीन जन.गण, उक्रेन और कोरिया आरपी से आयातित संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क का निम्नलिखित स्वरूप और ढंग से अनंतिम रूप से अधिरोपण करने की सिफारिश करना प्राधिकारी आवश्यक मानते हैं।

99. प्राधिकारी द्वारा अपनाये गये न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के न्यूनतर के बराबर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपण करने की सिफारिश करते हैं जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार यूरोपियन यूनियन, चीन जन.गण, उक्रेन और कोरिया

आरपी के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका में विनिर्दिष्ट राशि के अनुरूप अनंतिम पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किये जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्षक/ उपशीर्षक	वस्तु विवरण	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7		9	10
1.	3102 50 00	सोडियम नाइट्रेट	चीन जनगण.	चीन जनगण.	कोई	कोई	0.15	किग्रा	अमरीकी डालर
2.	3102 50 00	सोडियम नाइट्रेट	चीन जनगण.	कोई	कोई	कोई	0.15	किग्रा	अमरीकी डालर
3.	3102 50 00	सोडियम नाइट्रेट	संबद्ध देशों के अलावा कोई अन्य देश	चीन जनगण.	कोई	कोई	0.15	किग्रा	अमरीकी डालर
4.	3102 50 00	सोडियम नाइट्रेट	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	कोई	कोई	0.19	किग्रा	अमरीकी डालर
5.	3102 50 00	सोडियम नाइट्रेट	यूरोपियन यूनियन	कोई	कोई	कोई	0.19	किग्रा	अमरीकी डालर
6.	3102 50 00	सोडियम नाइट्रेट	संबद्ध देशों के अलावा कोई अन्य देश	यूरोपियन यूनियन	कोई	कोई	0.19	किग्रा	अमरीकी डालर
7.	3102 50 00	सोडियम नाइट्रेट	उक्रेन	उक्रेन	कोई	कोई	0.17	किग्रा	अमरीकी डालर
8.	3102 50 00	सोडियम नाइट्रेट	उक्रेन	कोई	कोई	कोई	0.17	किग्रा	अमरीकी डालर
9.	3102 50 00	सोडियम नाइट्रेट	संबद्ध देशों के अलावा कोई अन्य देश	उक्रेन	कोई	कोई	0.17	किग्रा	अमरीकी डालर
10.	3102 50 00	सोडियम नाइट्रेट	कोरिया आरपी	कोरिया आरपी	कोई	कोई	0.13	किग्रा	अमरीकी डालर
11.	3102 50 00	सोडियम नाइट्रेट	कोरिया आरपी	कोई	कोई	कोई	0.13	किग्रा	अमरीकी डालर
12.	3102 50 00	सोडियम नाइट्रेट	संबद्ध देशों के अलावा कोई अन्य देश	कोरिया आरपी	कोई	कोई	0.13	किग्रा	अमरीकी डालर

ट. अगली प्रक्रिया

100. प्रारंभिक जांच परिणाम की अधिसूचना केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये जाने के पश्चात निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जायेगा:-

- (क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन निष्कर्षों के संबंध में टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे हैं और जरूरी समझी गई सीमा तक उनपर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जायेगा।
- (ख) संबंधित ज्ञात आयातकों हितबद्ध पक्षकारों को आवेदनकर्ताओं तथा अन्य ,निर्यातकों , प्राधिकारी द्वारा पृथक रूप से संबोधित किया जा रहा है जो प्रारंभिक जांच परिणाम प्रेषित किये जाने की तारीख से हितबद्ध दिनों के अंदर अपने विचारों से अवगत करायेगे। कोई अन्य 40 दिनों के अंदर अपने विचारों से अवगत 40 र्षों की प्रकाशन की तारीख सेपक्षकार भी इन निष्क करायेगे ।
- (ग) प्राधिकारी विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के विचारों को सुनने के लिए मौखिक सुनवाई का आयोजन करेंगे।
- (घ) प्राधिकारी जरूरी समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन करेंगे।
- (ङ). प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम घोषित करने के पहले पाटन रोधी नियमावली के अनुसार अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन करेंगे।

जेदीपक.एस., निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY

(Department of Commerce)

DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING & ALLIED DUTIES

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th January, 2014

(Preliminary Findings)

Subject:—Preliminary Findings in the anti-dumping investigation concerning imports of Sodium Nitrate originating in or exported from European Union, China PR, Ukraine and Korea RP-reg

No.15/1009/2012-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof (hereinafter referred to as the Rules or the AD Rules):

A. BACKGROUND OF THE CASE

1. The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) received a written application from M/s Deepak Nitrite Limited, Pune, on behalf of the domestic industry, requesting the Authority to initiate anti dumping investigation into the alleged dumping of Sodium Nitrate originating in or exported from the European Union, China PR, Ukraine and Korea RP causing injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed in this investigation:
 - (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) under the above Rules, after having received the written application from M/s Deepak Nitrite Limited, Pune, (hereinafter referred to as the applicant) on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Sodium Nitrate (hereinafter referred to as the subject goods or SNA or the product) originating in or exported from European Union, China PR, Ukraine and Korea RP (hereinafter referred to as the subject countries) causing injury to the domestic industry and on the basis of sufficient prima facie evidence submitted by the applicant justifying the initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject countries.
 - (ii) The Authority notified to the Delegation of the European Union to India, New Delhi, as also the Embassies of China, Ukraine and Korea RP in India about the receipt of the application of

- dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the AD Rules.
- (iii) The Authority issued a public notice No. 15/1009/2012-DGAD, dated 5th June, 2013, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from the subject countries. The Authority issued a corrigendum dated 6th July, 2013 to change the investigation period to October, 2011 – December, 2012.
 - (iv) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available in the application) and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the communication about the initiation of the investigation in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
 - (v) The Authority also forwarded a copy of the said public notice to all the known importers/users of the subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the communication about the initiation of the investigation.
 - (vi) The Authority provided a copy of the non-confidential version of application to the known exporters, the Delegation of the European Union to India and the Embassies of China, Ukraine and Korea RP in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the application was also provided to other interested parties wherever requested.
 - (vii) The Authority sent questionnaires to the following known exporters in the subject countries (whose details were made available in the application) including the market economy treatment questionnaire to the known exporters from China PR to elicit relevant information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
 - (a) JSC “Concern Stirol”, Ukraine
 - (b) Chemo Invest Trade Europe Kft, Hungary
 - (c) Shanxi Calcrete Chemical Co., Ltd., China
 - (d) Shandong Xinhao Chemicals Co., Ltd., China
 - (e) Xiangyand Zedong Chemical Group Co., Ltd., China
 - (f) Zigong Gold Way Chemicals Ltd., China
 - (g) Shandong Hailand Chemical Industry Co Ltd., China
 - (h) ST Chemical, S. Korea
 - (i) Toto International, S. Korea
 - (j) Metachem Corp, S. Korea
 - (k) Siman Ltd., Bulgaria
 - (l) Trade Success Ltd., Bulgaria
 - (viii) None of the exporters / producers filed any questionnaire response or submissions.
 - (ix) The Ministry of Economic Development and Trade of Ukraine submitted its comments on the investigation through the Embassy of Ukraine in New Delhi.
 - (x) Questionnaires were sent to the following known importers/producers/users of subject goods in India (whose details were made available in the application) calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
 - (a) Rajasthan Explosives & Chemicals Ltd., Dholpur, Rajasthan
 - (b) Super Shiv Shakti Chemicals, Bhilwara, Rajasthan
 - (c) Special Blast Ltd., Durg, Chhatisgarh
 - (d) IDL Explosives Ltd., Hyderabad
 - (e) Special Blast Ltd., Sidhi, M.P
 - (f) Ideal Industrial Explosive Ltd., Secunderabad
 - (g) Navbhart Explosive Ltd., Raipur, Chhatisgarh
 - (h) Solar Industries India Ltd., Nagpur
 - (i) Mahanadi Metals & Chemicals Pvt. Ltd., Sundar Garh, Orissa
 - (j) Vetrivel Explosive Pvt Ltd., Thuraiyur, Salem
 - (k) Keltech Energies Ltd., Bangalore
 - (l) Grauer Weil (India) Ltd., Dadra
 - (m) Indrajit Industries Ltd., Bangalore
 - (n) Hardcastle Petrofer Pvt., Ltd., Umergaon, Valsad
 - (o) Jaju Chemicals Pvt Ltd., Malegaon

- (p) Jagatjit Industries, Sahibabad, Dist. Ghaziabad
 - (q) Schott Glass India Pvt Ltd., Bharuch, Gujarat
 - (r) Pooja Glass Works, Firozabad, Uttar Pradesh
 - (s) Saint Gobain Glass India Ltd., Sriperumbudur, Tamilnadu
 - (t) Geeta Glass Works, Firozabad, Uttar Pradesh
 - (u) Shri Bal Kishan Agrawal Glass Ind Ltd., Firozabad, Uttar Pradesh
 - (v) Meera Glass Work, Firozabad, Uttar Pradesh
 - (w) Bisazza India Pvt., Ltd., Budasan
 - (x) Jagdamba Glass Works, Firozabad, Uttar Pradesh
 - (y) Pragati Glass Works Ltd., Kosamba
 - (z) Advance Glass Works, Firozabad, Uttar Pradesh
 - (aa) Rashtriya Chemicals & Fertilizers Ltd, Mumbai
 - (bb) National Fertilizer Ltd, Noida
- (xi) Only three importers/users, namely, Rajasthan Explosives & Chemicals Ltd., Dholpur, Rajasthan; Schott Glass India Pvt. Ltd, Bharuch; and Sandeep Organics Pvt Ltd, Mumbai responded to the initiation notification. They made some submissions but did not submit any importer questionnaire response.
 - (xii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
 - (xiii) Information provided by interested parties on confidential basis was examined by the Authority with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
 - (xiv) Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary.
 - (xv) The non-injurious price has been worked out the basis of the information furnished by the domestic industry based on its cost of production and cost to make and sell the subject goods in India, on the basis of laid down guidelines under Annexure III of the AD Rules so as to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
 - (xvi) Investigation was carried out for the period of investigation (POI) starting from October 2011 to December, 2012. The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the financial years 2009-10, 2010-11, 2011-12 and the POI.
 - (xvii) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigation, and the said information was obtained from the DGCI&S.
 - (xviii) The Authority has examined the information furnished by the domestic producers to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
 - (xix) The submissions made by the interested parties considered relevant by the Authority have been analyzed and addressed in this Preliminary Findings Notification.
 - (xx) *** in this Notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
 - (xxi) The exchange rate adopted for the POI is 1 US \$ =Rs 53.23

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

C.1 Views of the Domestic Industry

3. The production under consideration in the present investigation is Sodium Nitrate, a chemical compound with the formula NaNO_3 . This salt, also known as Chile saltpeter or Peru saltpeter, is a white solid which is soluble in water. The mineral form is also known as nitratine, nitratite or soda niter. Sodium Nitrate is derived as a co-product in the manufacture of Sodium Nitrite. Ammonia is converted into nitrous oxide at

high temperature in the presence of catalyst and the nitrous oxide is then absorbed in caustic soda to get Sodium Nitrite and Sodium Nitrate.

4. There are no known grades of the product. Typical applications in which Sodium Nitrate can be used are Heat Transfer Salts and Flux; to manufacture various other Nitrate salts of Potassium & Barium; Agrochemicals; Bulk Intermediates; Manufacture of glass, Blasting powder, Slurry, Dynamite, Matches, FNS and Performance Chemicals, Leather Tanning Chemicals, Imaging and Colour Intermediates, Pharmaceutical Intermediates, Rubber Chemical Intermediates etc. Sodium Nitrate can also be used in fertilizer as a source of nitrogen in production of fertilizers. In fact, it is for this reason that the product is classified under Chapter 31025000 and attracts zero customs duty. There are a number of products available to fertilizer industry in the market which can be used as a source of nitrogen. This includes Urea and Ammonium Nitrate. However, the total cost of nitrogen nutrient in Urea and Ammonium Nitrate in 2012-13 which is Rs 20 per kg and Rs 52 per kg respectively, is much less in comparison to the total cost of nitrogen nutrient in Sodium Nitrate which is Rs 159.68 per kg. It would be seen that if Sodium Nitrate is used as a source of Nitrogen, it would mean eight times cost that would be incurred by a consumer if they use Urea as a source of Nitrogen. Given such a significant difference, it follows that no consumer in fertilizer industry would use Sodium Nitrate as a source of Nitrogen. It is also pointed out that Sodium Nitrate as a product is not covered under Fertilizer Control Order. Thus, even when Sodium Nitrate, in theory, can be used as a source of Nitrogen in Fertilizer industry, in fact, none of the fertilizer industry consumers are using Sodium Nitrate. Further, the petitioner does not sell Sodium Nitrate to consumers in fertilizer industry. Given that 59% of the demand for the product in the Country is met by the petitioner, had there been a consumption of Sodium Nitrate in Fertilizer industry, the petitioner would have certainly supplied a significant volume of the same to such consumers.
5. Sodium Nitrate is classified under customs heading 31025000 under Chapter 31 of the Customs Tariff Act. The Customs classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation. The imports of the product under consideration have also been reported under Chapter 28 under subheading 2834 (Nitrites and Nitrates). There is no known difference in subject product produced by the domestic industry and the subject product exported from the subject territory/countries. Both, the subject product produced by the petitioner and that exported from the subject territory/countries to India have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used and are using the two interchangeably. There is no significant difference between the goods produced by the domestic industry and imported from subject countries. The alleged difference in values of purity, or difference in colour or physical forms does not render the domestic product as dislike to the imported product.

C.2 Views of exporters, importers, consumers, users and other opposing interested parties

6. The opposing interested parties raised the following issues regarding the product under consideration and its scope:
 - i) There is difference in technical specification of material produced by Bulgaria, China and Ukraine and the domestic industry. The physical forms of the products is also different. Material from Bulgaria and China is Crystal form whereas domestic industry produces in powder form. Further, there is a difference in colour and purity of the product imported from these countries and domestically produced product.
 - ii) There are two Grades of Sodium Nitrate (NaNO_3) – Technical /Industrial & Fertilizer/Fertilizer Grade. There is difference in HS Code also and rate of VAT (Value added Sales Tax) also. There is also difference in Customs Duty. There is difference in the application also. HS Code of Technical / Industrial Grade is 28341010. Sales Tax is 5% VAT. There is 7.5% Basic Duty, 2% Cess & 1% Higher Secondary Cess on Imports. It is not used in Fertilizer / Fertilizer. HS Code of Fertilizer / Fertilizer Grade is 31025000. Sales Tax is 12.5% VAT. There is no Basic Duty, Cess & Higher Secondary Cess. It is not used for Technical / Industrial purpose.

C.3 Examination by the Authority

7. The Authority notes that none of the opposing interested parties filed any response in the form of exporter's/importer's questionnaire. It has been claimed that the purity of the product imported from China, Bulgaria and Ukraine was higher. Further, the imported product and domestic product differs in

physical forms. Whereas the imported product is in Crystal form, the domestic product is in powder form. It has been claimed that the colour of the imported material is different from the colour of the material supplied by the domestic industry. It is, however, noted by the Authority that no information with regard to the nature of customers to whom the imported product has been sold was provided to the Authority, nor the impact of difference in physical forms or purity or colour was quantified. On the other hand, the domestic industry has contended that difference in physical form or purity or colour does not render the domestic product different from the imported product. The domestic industry has contended that the domestic product is a like article to the imported product. Further, the domestic industry has contended that the opposing interested party making these comments should be considered as non cooperating.

8. The Authority notes that it has not been established that difference in purity, physical form or colour renders domestic product as dislike to the imported product. Nor the interested parties have quantified the impact of the alleged difference on the costs and prices of the product.
9. The Authority notes that it has also been claimed that fertilizer and technical/industrial grades are imported under different tariff codes and that whereas fertilizer grade attracts 0.0% basic customs duty, full customs duty is charged on imports reported under technical/industrial applications. The Authority notes that this information provided by the opposing interested parties is just of factual nature without specifically claiming to exclude one type or the other from the scope of the product under consideration. The petitioner has contended that though the product can be used as source of nitrogen in the fertilizer industry, they have neither consumed the product in fertilizer applications themselves nor sold to the consumers in India because it is not cost effective.
10. It is noted that Sodium Nitrate falls under dedicated classifications under 31025000 under Chapter 31. Further, it is observed from the transaction-wise import statistics that the imports of the product under consideration have also been reported under Chapter 28 under subheading 2834 (Nitrites and Nitrates).
11. The Authority, thus, holds that the product under consideration in the present investigation is Sodium Nitrate. Sodium Nitrate is a chemical compound with the formula NaNO_3 . This salt, also known as Chile saltpeter or Peru saltpeter, is a white solid which is very soluble in water. The mineral form is also known as nitratine, nitratite or soda niter. Sodium Nitrate is derived as a co-product in the manufacture of Sodium Nitrite. Ammonia is converted into nitrous oxide at high temperature in presence of catalyst and the nitrous oxide is then absorbed in caustic soda to get Sodium Nitrite and Sodium Nitrate. Typical applications, therefore, in which Sodium Nitrate can be used are Heat Transfer Salts and Flux, to manufacture various other Nitrate salts of Potassium & Barium, Agrochemicals, Bulk Intermediates, Manufacture of glass, Blasting powder, Slurry, Dynamite, Matches, FNS and Performance Chemicals, Leather Tanning Chemicals, Imaging and Colour Intermediates, Pharmaceutical Intermediates, Rubber Chemical Intermediates etc.
12. Sodium Nitrate is classified under customs heading 31025000 under Chapter 31 of the Customs Tariff Act. Further, the imports of Sodium Nitrate have also been reported under Chapter 28 under subheading 2834 (Nitrites and Nitrates). The customs classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation. The Authority proposes to include all imports of Sodium Nitrate whether reported under Chapter 28 or Chapter 31 in the scope of the product under consideration.

Like Article

13. Rule 2(d) of the AD Rules defines like article as follows:

“an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has the characteristics closely resembling those of the articles under investigation”.

14. The applicant has claimed that there is no known difference in subject product produced by the domestic industry and the subject product exported from the subject territory/countries. Both, the subject product produced by the petitioner and that exported from the subject territory/countries have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used (and are using) the two interchangeably.
15. The Authority has examined the matter and notes that there is no known difference in subject goods produced by the domestic industry and that imported into India from the subject territory/countries. The

subject goods produced by the domestic industry and that imported from subject territory /countries are comparable in terms of physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. None of the opposing interested parties has raised any objection in this regard. In view of the same, the Authority provisionally treats the subject goods produced by the petitioner company as domestic like article to the product under consideration imported from the subject territory/countries in accordance with the anti dumping Rules.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

16. Rule 2 (b) of the AD Rules defines the domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

D.1 Views of exporters/importers/users and other opposing interested parties

17. None of the exporters/importers/users or other opposing interested party has made any substantive submissions in this regard, except the Ministry of Economic Development and Trade of Ukraine who submitted its comments on the standing of the Domestic Industry as under:
- According to the petition of the domestic industry, the production of the domestic industry constitutes approximately 81% of the total Indian production of Sodium Nitrate; Rashtriya Chem and NFL being the other two producers. There are other producers such as Triveni Chemicals, Suvidhi Industries, Peri Nitrates Private Limited and Nikunj Chemicals. The investigating authority may thus determine the degree of support for the Petition and whether the petition has been made by or on behalf of the domestic industry.
18. Rajasthan Explosives & Chemicals Ltd., Dholpur, Rajasthan did not comment on the scope of the domestic industry and its standing and submitted that they are the user of Sodium Nitrate and during the period 2009-10, 2010-11 & 2011-12, had placed orders for the purchase of this material on different suppliers. They had given the details of the quantity ordered and sources of purchase. They further confirmed that they had not imported this item till 18th July, 2013 and purchased only from indigenous manufacturers and suppliers.

D.2 Views of the Domestic Industry

19. The Domestic Industry has made the following submissions:
- The petition has been filed by M/s Deepak Nitrite Ltd., Pune. There are two more known producers of the product during the POI in India, Rashtriya Chemicals & Fertilisers Ltd. and National Fertilizer Ltd.
 - The production of the petitioner constitutes a major proportion in Indian production during the period of investigation.
 - The petitioner constitutes domestic industry within the Rules.
 - Petition has been filed by Deepak Nitrite Ltd. whose production constitutes a major share in Indian production. There is no opposition to the petition. None of the companies identified, in fact, are engaged in production of Sodium Nitrate. It is, however, possible that some of these companies are engaged in trading of the product under consideration. In any case, production of these companies cannot be so significant as to render the production of the petitioner so insufficient that the petitioner loses standing under the Rules.

D.3 Examination by the Authority

20. M/s Deepak Nitrite Limited has filed the application in the instant matter alleging dumping of ‘Sodium Nitrate’ originating in or exported from the European Union, China PR, Ukraine and Korea RP and requested for imposition of the anti-dumping duties. The company has not imported the product under consideration from subject countries or any other countries during investigation period or over the injury period. The petitioner is an eligible domestic industry within the meaning of the Rules. None of the interested parties has commented on this issue except the Ministry of Economic Development and Trade of Ukraine which have been examined. The Government of Ukraine has identified a number of other

companies as producers of the product under consideration. The domestic industry has submitted that all these companies may be dealing in Sodium Nitrate but are not producers of Sodium Nitrate. In this regard, the Authority noted that Government of Ukraine has not provided documentary evidence to show that these other entities identified by them are in fact producer of Sodium Nitrate in India. However, the Authority had sought this information directly from these entities identified by the Government of Ukraine. No one replied to the Authority except Nikunj Chemicals, Vadodara, who responded that they are not manufacturing this product. The Authority had sought relevant information about identities of Indian producers and their production/sales details of the product under consideration from the Administrative Ministry of Chemicals and Fertilizers, Government of India as well. The Ministry of Chemicals and Fertilizers has also not responded identifying the entities producing Sodium Nitrate in the country. The Authority notes that it has not been established that the other companies identified by Government of Ukraine are in fact producers of the product under consideration. The evidence on record does not establish that these companies are domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

21. Production of the petitioner in the investigation period constituted 80% of Indian production. On the basis of information on record, the Authority determines that production of the applicant constitutes a major proportion in Indian production during the period of investigation and the petition has been made by the domestic industry. The Authority, after examining the facts, determines that the petitioner constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules, and the petition satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

E. MISCELLANEOUS ISSUES

E.1 Views of the exporters/importers/users and other opposing interested parties

22. The Ministry of Economic Development and Trade of Ukraine raised the point that the periods of assessment for analysis were determined as 2009-10, 2010-11, 2011-12 and the POI which is October, 2011-December, 2012. Since the POI is more than 12 months, so indices of POI should not be compared with indices of other years. Further, the petitioner has stated that "Petitioner has no exports of the product under consideration". But according to International Trade Centre, there was export of Sodium Nitrate from India and Deepak Nitrite is one of the exporting countries.
23. Schott Glass India Pvt. Ltd did not submit any questionnaire response but only made certain submissions that the petitioner M/s Deepak Nitrate Ltd is regularly increasing its prices of the subject goods and in the last three years, basic price was increased by Rs. 900 per MT which is around 39% and if such price increase continues, Schott Glass India Pvt. Ltd will need to develop such product from other competitive markets (domestic/overseas) in order to keep their finish goods' competitiveness and affordability to the domestic pharmaceutical companies. Under the umbrella of anti-dumping duty, the manufacturers will get the opportunity to increase their prices as well as the quality standards may deteriorate. The Authority may, therefore, verify as to what kind of counter measures have been taken by the domestic manufacturers to mitigate price increase.
24. Sandeep Organics Pvt. Ltd. has raised the point that NEOCHIM PLC is the manufacturer in Bulgaria. Fertilal Cyprus Ltd. is the exporter. Price of Bulgaria is USD 450 PMT CFR Nhava Sheva for 100% Advance Payment.

E.2 View of the Domestic Industry

25. The Domestic Industry has made the following submissions:
 - (i) Given that the investigation period is for 15 months, the petitioner has "annualized" the figures in order to enable comparison with the previous years.
 - (ii) There is no response from the company in Bulgaria. Further, the information contained in the petition clearly shows that import price from Bulgaria is materially lower than the selling price of the domestic industry.
 - (iii) The domestic industry considers two parameters for fixation of its prices. While domestic industry makes all efforts to realign its prices to the changes in costs on account of raw materials and utilities, the domestic industry is constrained in doing so from the prices offered by foreign producers. There has been significant increase in the costs on account of raw materials and utilities over the injury period because of increase in the prices of these major raw materials and utilities. Resultantly, the domestic industry was constrained to increase its prices for the product under consideration. However, whereas domestic industry should have ideally increased its prices in proportion to the increase in costs on

account of raw materials, the domestic industry has been prevented from increasing its prices to the extent of increase in costs on account of raw materials and utilities. In fact, the increase in price was much lower than the increase in costs on account of raw materials.

E.3 Examination by the Authority

26. The Authority has examined the above issues and notes that the contention of Government of Ukraine that POI is a period of more than 12 months, it is clarified that the Authority has compared the POI statistics with the preceding years after annualizing the data for POI. This is the consistent practice followed by the Authority in those situations where the POI is more or less than twelve months.
27. Regarding, the claim in the petition that “Petitioner has no exports of the product under consideration”, the Authority notes that in Pro forma IV-A of the petition, the petitioner has shown exports of the product under consideration in the injury period and the Authority has taken due notice of that.
28. With regard to increase in price issue raised by Schott Glass India Pvt. Ltd and Sandeep Organics Pvt. Ltd, it is noted that though the domestic industry has increased its selling price, the increase in its prices is due to increase in the cost of production. It is further noted that the increase in the cost of production is due to increase in input prices. In fact, it is found that the price increases are not in proportion to increase in costs. It is noted that imports are suppressing the prices of the domestic industry in the market.

F. ASSESSMENT OF DUMPING – METHODOLOGY AND PARAMETERS

Methodology for Determination of Dumping Margin

F.1 Normal Value, Export Price and Dumping Margin

29. The Authority notes that none of the exporters/producers from European Union, China PR, Ukraine and Korea RP has responded to the initiation notification by filing exporter questionnaire in the manner and format prescribed and only the Ministry of Economic Development and Trade of Ukraine has made submissions in this regard.

F.2 Views of the domestic industry

30. It has been contended by the domestic industry that China PR should be treated as a non-market economy country, inter alia, stating that:
 - (i) Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity: The European Commission has consistently held that possibilities of State interference cannot be ruled out in cases where there is significant share of a State owned/controlled entity. It is not only the question of past interferences alone but also possibilities of potential State interference in the future after the imposition of anti-dumping duties that is relevant for granting market economy treatment.
 - (ii) Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values: The Domestic industry contends that “substantially reflect market values” has been widely interpreted to mean that the price of these inputs must be comparable to the prices prevailing in the international market. The Domestic Industry contends that the fact that such prices are comparable to the price prevailing in China PR is grossly insufficient.
 - (iii) Major inputs include utilities: The Domestic industry contends that production of the products concerned requires power and fuel as a major item of utility. Admittedly, while the power supplier is a State owned entity, insufficient information is available with regard to fuel supplier. It has not been established by the exporters that the prices of utilities reflect fair market values.
 - (iv) Market economy status cannot be given unless the responding exporters establish that their books are audited in line with international accounting standards: The Domestic industry contends that Chinese exporters have repeatedly disputed the treatment of European Commission to reject market economy treatment in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with Chinese GAAP. Chinese companies in such cases have been contending that the requirement of insisting on compliance with International Accounting Standards is beyond law. The European Commission has held that the requirement on insisting compliance with International Accounting Standards is to ensure accuracy and adequacy of revenues and expenses, assets and liabilities expressed in the annual report. To quote the European Commission, reliability of the accounts is not established with regard to this aspect unless the books are consistent with International Accounting Standards.

- (v) Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied: The Domestic industry contends that the European Commission has repeatedly insisted that market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the Rules.
 - (vi) Onus/obligations: The Domestic industry contends that it is not for the Authority to establish that the responding companies are indeed operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. On the contrary, it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
 - (vii) Transformation: The Domestic industry contends that in a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.
 - (viii) Response from group as a whole: The Domestic industry contends that market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group have not filed the response, market economy status must be rejected, regardless of the fact whether or not the other companies of the group are involved in production or sale of the product under consideration. It has been contended that the Designated Authority has applied such a test in the matter of Vitrified Tiles cases where the whole group has filed response in order to seek market economy status.
 - (ix) Failure to satisfy a number of conditions mentioned above by the responding Chinese exporters is sufficient to hold that market economy status cannot be granted to responding Chinese companies and, thus, the Normal value should be determined in accordance with Para-7 of the Rules.
31. It has been contended by the domestic industry that Ukraine should be treated as a non-market economy country, inter alia, stating that:
- (i) Ukraine producers were not granted market economy status in the matter of soda ash.
 - (ii) The basis for presumption of treating Ukrainian producers as companies not operating in market economy environment is different in India and in Europe. In India, it must be established that a WTO member country has treated such country as market economy country on the basis of evaluation criteria prescribed under the Rules.
 - (iii) It has not been established that US or EU has granted market economy status to Ukrainian producers on the basis of evaluation criteria laid down under the law.
 - (iv) In any case, none of the producers in Ukraine has cooperated with the Authority nor the Ukrainian producers have established that market economy status is required to be given to them in the present case. Thus, the Designated Authority is not in a position to determine normal value on the basis of questionnaire response from Ukrainian producers.
32. It has been contended by the domestic industry that it could not collect any information/evidence such as price lists or quotations of producers of subject goods in the domestic markets of European Union, Ukraine and Korea RP due to lack of relevant information in public domain and, therefore, it has constructed the normal value in the case of imports from European Union, Ukraine and Korea RP. Further, none of the producers/exporters in the subject countries has responded in the course of investigations.

F.3 Views of the Ministry of Economic Development and Trade of Ukraine

33. Ukraine is treated as non-market economy in the current investigation. In the case of anti-dumping investigations on imports of soda ash from Ukraine, the Ukrainian authorities had provided to the Indian side with materials confirming market economy status of Ukraine according to Indian law. In addition, since 30.12.2005, the European Community has recognized the market status of the Ukrainian economy according to the Council Regulation of the EU No 2117/2005 [published in the Official Journal of EU No L340/17 of 23.12.2005] and Ukraine was excluded from the list of non-market economies. Further, EU's criteria of assessment of market economy are similar to those specified in Indian law. Along with this, in February, 2006, the US officially granted market economy status to Ukraine according to criteria defined in Art.771.18 of the US Tariff Act of 1930. The decision to grant market economy status to Ukraine was

published in the Federal Register of the United States No 37 of 02.24.2006. Pursuant to the provision of Indian law, the competent authority has to consider Ukraine as a market economy country.

F.4 Examination of Market Economy claims in respect of China PR and Ukraine by the Authority

34. Para 7 of Annexure I of the Rule provides that:

“In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments”

35. Further, the relevant provisions laid down under Annexure I to the Anti-dumping Rules are as follows:

8. (1) The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3).

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economy country. Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3).

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:

(a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and

(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate:

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph”.

(4) Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as market economy country which, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti-dumping investigations, by a country which is a member of the World Trade Organization.”

36. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the AD Rules.

37. The Authority notes that none of the producers/exporters of the subject goods from China PR has submitted either questionnaire response or response to the market economy questionnaire consequent

upon the initiation notice issued by the Authority or has sought to rebut the non-market economy presumption.

38. As far as the contention of the Government of Ukraine to treat Ukraine as a market economy country is concerned, the Authority notes that no detailed documents have been provided by the Government of Ukraine to establish that any WTO member has granted market economy status to Ukraine after following the evaluation criteria laid down under Para 8(3) and by publication of such evaluation in a public document as required under Para 8(4) of the Annexure-I to the Anti-dumping Rules. Furthermore, none of the producers/exporters from Ukraine has cooperated and submitted the market economy questionnaire response in rebuttal of non-market economy presumption. In view of the same, the Authority has determined the normal value for Ukraine as per the relevant Rules on the basis of best available information.

F.5 Determination of Normal Value for producers and exporters

F.5.1 Determination of Normal value in respect of Exporters / Producers from China PR

39. In the absence of any response from any producer/ exporter from China PR, the Authority proceeds to provisionally determine the Normal value in China PR on available facts basis in terms of second proviso of para 7 of Annexure 1 to the AD Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration has been provisionally determined based on constructed costs of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and profits. The normal value so determined is *** US\$/MT.

F.5.2 Determination of Normal value in respect of Exporters / Producers from EU

40. As provided under the law, the Authority is required to consider selling price of the product when meant for consumption in the domestic market of EU for determining normal value in EU. The petitioner submitted that there is no evidence of actual selling price prevailing in the domestic market of the EU. None of the exporters in EU has cooperated with the Authority with questionnaire response. The Authority notes that in the absence of any response from any EU producer in the form and manner prescribed, the normal value cannot be determined on the basis of questionnaire response of a producer in the EU. The Authority has, therefore, provisionally constructed normal value by considering estimates of cost of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and profits. The normal value so determined is *** US\$/MT.

F.5.3 Determination of Normal value in respect of Exporters / Producers from Ukraine

41. The petitioner has contended that Ukraine should be treated as a non-market economy country. Further, the petitioner has submitted that there is no evidence of actual selling price prevailing in the domestic market of Ukraine. Also, none of the exporters in Ukraine has cooperated with the Authority with questionnaire response. In the absence of any response from any producer/ exporter from Ukraine, the Authority proceeds to provisionally determine the Normal value in Ukraine on available facts basis in terms of second proviso of para 7 of Annexure 1 to the AD Rules. The Authority has, therefore, provisionally constructed the normal value by considering estimates of cost of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and profits. The normal value so determined is *** US\$/MT.

F.5.4 Determination of Normal value in respect of Exporters / Producers from Korea RP

42. As provided under the law, the Authority is required to consider selling price of the product when meant for consumption in the domestic market of Korea RP for determining normal value in Korea RP. The petitioner submitted that there is no evidence of actual selling price prevailing in the domestic market of Korea RP. None of the exporters in Korea RP has cooperated with the Authority with questionnaire response. The Authority notes that in the absence of any response from any Korean producer in the form and manner prescribed, the normal value cannot be determined on the basis of questionnaire response of a producer in Korea RP. The Authority has, therefore, provisionally constructed normal value by considering estimates of cost of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and profits. The normal value so determined is *** US\$/MT.

F.6 Determination of Export Price for producers and exporters

43. Since none of the exporters from any of the subject countries has responded to the Authority, the Authority has provisionally determined Export Price in respect of imports from EU, China PR, Ukraine and Korea RP on the basis of best information available in accordance with Rule 6(8) of the AD Rules. The petitioner has determined export price on the basis of imports of the product under consideration in

India, as reported by DGCI&S. The Designated Authority has also got the transaction wise import data from the DGCIS. The Designated Authority has considered the data received from DGCI&S and determined the export price considering all imports of the product under consideration in India. Price adjustments have been made on the basis of claims made by petitioner domestic industry in view of non cooperation from the exporters from China, EU, Korea RP and Ukraine. Provisional export price has been determined at ex-factory level as stated in the below table.

Particular	Unit	China PR	Korea RP	EU	Ukraine
Net Export Price	US\$/MT	***	***	***	***

F.7 DUMPING MARGIN

44. Considering the normal value and export price as determined above, the provisional dumping margin has been determined as follows. It is seen that the dumping margins are more than de-minimis and significant.

S.No.	Particular	Unit	China PR	Korea RP	EU	Ukraine
1	Normal Value	US\$/MT	***	***	***	***
2	Net Export Price	US\$/MT	***	***	***	***
3	Dumping Margin	US\$/MT	***	***	***	***
4	Dumping Margin	%	***	***	***	***
5	Dumping Margin Range	%	45-55	40-50	70-80	60-70

ASSESSMENT OF INJURY AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

G. INJURY

45. The opposing interested parties have made the following submissions on injury to the domestic industry:
- The Authority should take note of the fact that the total imports of Sodium Nitrate to India declined on calendar year basis as per three sources, viz., International Trade Centre, UN COMTRADE and Ministry of Commerce & Industry of Republic of India. Total imports decreased by 48% in 2011-12 as compared to 2009-10. Imports from Ukraine declined by 82% in 2011-12 as compared to 2009-10. In 2010-11, there were no imports from Ukraine in India. Further, there is no supply of Sodium Nitrate from Ukraine to India in 2013. Thus, imports from Ukraine did not influence the Indian market in 2013. There was no significant increase in imports from Ukraine as well as in the total imports in India.
 - The petition states that “demand shows significant positive growth”. But there is a decreasing trend in demand. Decline in demand could be the reason that influenced the volume of production and sales of the petitioner.
 - The petition states that petitioner has no exports of the product under consideration. However, as per the website of International Trade Centre, the petitioner is one of the exporting companies. The petitioner tried to deceive the Authority by manipulating the statistical data
 - Profits of the petitioner had a positive trend and during the last period they increased by 56%. Administrative expenses increased significantly by 2.7 times between Mar’09 and Mar’13. Such expenses should be considered as other factors which are injuring the domestic industry. Production increased by 23.3% in 2011-12 as compared to 2009-10. Capacity utilization increased by 8% in 2011-12 as compared to 2009-10. Domestic sales increased by 24% in 2011-12 as compared to 2009-10. Productivity per day increased by 20% in 2011-12 as compared to 2009-10. Export increased by 24% in 2011-12 as compared to 2009-10 and wages increased 2 times in 2011-12 as compared to 2009-10.

- (v) Considering the above, imposition of anti dumping measures against Ukrainian import of Sodium Nitrate to India will be unreasonable due to the absence of sufficient evidences of causal relationship between dumped import and injury to the domestic industry.
46. The domestic industry has submitted that :
- Subject imports have increased substantially in absolute terms.
 - Subject imports have increased in relation to total imports and consumption and production in India.
 - Subject imports are undercutting the prices of domestic industry to a significant extent.
 - Price undercutting has prevented the domestic industry from increasing the prices. Imports are suppressing the prices of the domestic industry in the market.
 - Performance of the domestic industry has deteriorated in terms production, domestic sales, capacity utilization, market share, inventories, profits, return on investment and cash profits to a very significant extent.
 - There is a threat of further increase in the volume of dumped imports, which would further aggravate the injury being caused to the domestic industry if anti dumping measures are not imposed.
 - Given that the investigation period is for 15 months, the petitioner has “annualized” the figures in order to enable comparison with the previous years.
 - Cumulative assessment of injury is appropriate. Import volumes were higher in some country in some period and lower from that country in some other period. In case of Ukraine, the share of Ukraine in total imports was high in 2009-10, while no imports were reported in 2010-11. Thereafter, share of imports from Ukraine has increased in the subsequent two years. Thus different countries have been competing with each other in the Indian market. Further, in period of investigation, Ukraine was one of the major suppliers of the product in the Indian market. In fact, imports from Ukraine individually constitutes single largest share in total imports of the product in the country.
 - The Government of Ukraine has selectively compared increase in production, capacity utilization, domestic sales, productivity, exports and wages in 2011-12 with 2009-10. It would be seen from the information submitted that production, capacity utilization, domestic sales and productivity first increased and then declined in the POI.

Examination by the Authority

47. Annexure II para (iii) of the AD Rules requires that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, if it determines that: -
- the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent of the import of like article or where the export of individual countries is less than three per cent, the imports collectively accounts for more than seven per cent of the import of like article and
 - cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
48. In this regard, the Authority notes that:
- The margins of dumping from each of the subject countries are more than the limits prescribed under the Rules;
 - The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits; and
 - It is appropriate to cumulatively assess the effects of imports of the subject goods from European Union, China PR, Ukraine and Korea RP on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported article and the like domestic article.
49. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine

whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree or prevent price increases which would have otherwise occurred to a significant degree.

50. The Authority has considered the views of the interested parties and addressed the same appropriately.
51. Government of Ukraine contended that imports have declined. The Authority notes that the volume of imports from Ukraine had in fact declined in 2010-10 and 2011-12 as compared to the base year 2009-10 but the annualized figures in the period of investigation show that the volume of imports from Ukraine increased in the period of investigation even when the demand had declined in the period of investigation. Further, Government of Ukraine has disputed the claim of the petitioner with regard to injury suffered by the domestic industry. It is noted that the Government of Ukraine has considered the performance of the domestic industry during the year 2011-12 and compared the same with the preceding year, thus, ignoring performance of the domestic industry in the period of investigation. The Authority notes that the purpose of fixation of the period of investigation is to determine dumping margin during the period of investigation and thereafter assess whether it could be concluded that the domestic industry has suffered injury in the period of investigation, having regard to the performance of the domestic industry in preceding period. Thus, it is the period of investigation wherein the performance of the domestic industry must be considered. The preceding years serve as a basis for comparison.
52. It is noted that since the conditions specified under the rules for cumulative assessment of the injury are satisfied in the present case, the Authority has assessed injury to the domestic industry by cumulatively considering imports from the subject countries and not from Ukraine alone.
53. It is noted that market share in demand in the POI increased slightly as compared to the preceding year. The imports, however, increased significantly and disproportionately. Thereafter, whereas demand declined in 2011-12, imports increased. Further, whereas there was some increase in demand in the POI, the increase in imports was far more than the increase in demand. It is thus seen that after 2010-11, the imports have increased more than the increase in demand.
54. The argument advanced by Government of Ukraine with regard to existence of injury to the domestic industry and performance of the domestic industry as reflected in various economic parameters were also examined. It is noted that arguments of Government of Ukraine with regard to parameters such as profit/loss and administrative expenses are based on overall operations of the domestic industry. It is noted that the domestic industry is a multi product company and has been engaged in production and sale of a number of products. The Authority is required to consider information only relating to the product under consideration. Overall performance of the domestic industry which is reflective of the situation of domestic industry cumulatively for various products is not relevant to decide the consequence impact of the dumped imports on the domestic industry. It is also noted that the Government of Ukraine has compared performance of the domestic industry between 2009-10 and 2011-12 and has ignored the performance of the domestic industry during the present period of investigation. It is noted that the Authority has fixed the period of investigation in order to determine dumping margin and injury margin that was prevailing in respect of imports made into India during the period of investigation. Further, the Authority is required to examine performance of the domestic industry in the period of investigation vis-à-vis the previous years. The information for the previous period in this regard serves as a benchmark to decide whether performance in the period of investigation could be described as injurious.

G.1 Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

(a) Assessment of Demand and Market Share

55. The Authority has determined demand as the sum of domestic sales of the domestic industry, sales of other Indian producers and imports of the subject goods in India from all sources (as per DGCIS data). The demand so assessed can be seen in the table below :

Description	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI	POI (annualized)
Sales of Domestic Industry	MT	7,793	10,855	9,624	11,465	9,172
Sales of Other Indian Producers	MT	3,953	2,568	2,580	3,225	2,580
Imports from Subject	MT	4,073	3,093	2,413	4,663	3,730

countries						
China PR	MT	1,917	2,012	378	560	448
Korea RP	MT	0	762	1,038	919	735
EU	MT	931	319	797	1,613	1,290
Ukraine	MT	1,226	0	200	1,571	1,257
Other Countries	MT	409	140	63	25	20
Total Demand	MT	16,228	16,656	14,679	19,379	15,503
Market Share in Demand						
Domestic industry	%	48.02	65.17	65.56	59.16	59.16
Other Producers	%	24.36	15.42	17.58	16.64	16.64
Subject countries:	%	25.10	18.57	16.44	24.06	24.06
China PR	%	11.81	12.08	2.58	2.89	2.89
Korea RP	%	0.00	4.57	7.07	4.74	4.74
EU	%	5.73	1.91	5.43	8.32	8.32
Ukraine	%	7.55	0.00	1.36	8.11	8.11
Other Countries	%	2.52	0.84	0.43	0.13	0.13

56. It is seen from the above table that demand for the subject goods has declined in the POI as compared to the base year. However, the same has increased as compared to previous year. The Authority further notes that the market share of the subject countries in demand has declined in 2010-11 and increased thereafter up to the POI. On the other hand, market share of the domestic industry increased in 2010-11, but declined thereafter till the period of investigation. It is noted that while the market share of the domestic industry during the POI has increased as compared to the base year, the market share of the imports from the subject countries declined marginally in the POI as compared to the base year.

(b) Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

57. Volume of imports and imports in relation to production and consumption in India are given in the table below:

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI	POI (annualized)
Import Volume						
China PR	MT	1,917	2,012	378	560	448
Korea RP	MT	0	762	1,038	919	735
EU	MT	931	319	797	1,613	1,290
Ukraine	MT	1,226	0	200	1,571	1,257
Subject Countries	MT	4,073	3,093	2,413	4,663	3,730
Other Countries	MT	409	140	63	25	20
Total Imports	MT	4,482	3,233	2,476	4,688	3,751
Imports from Subject Countries in relation to:						
□ Total Imports	%	91%	96%	97%	99%	99%
□ Consumption	%	25%	19%	16%	24%	24%
□ Production	%	46%	25%	22%	36%	36%

58. It is noted that from the above table that there were no imports from Korea RP in 2009-10. However, there were significant imports from EU, China and Ukraine in this year. Imports from China PR were significant during 2009-10 and increased in 2010-11. The same has declined thereafter till 2011-12 and again increased during the period of investigation. There were no imports from Korea RP in 2009-10, but the same has increased till 2011-12 and declined during the POI. The Imports from EU declined in 2010-11 and increased thereafter till the period of investigation. The Imports from Ukraine were significant in 2009-10, and declined to NIL in 2010-11, then increased thereafter till period of investigation. The Imports from Ukraine during the POI increased as compared to the base year and significant in comparison to the previous year. It is further noted that the volume

of imports cumulatively from the subject countries declined in till 2011-12 and then increased significantly during the POI.

G.2 **Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry**

(a) **Price Undercutting and Price Underselling**

59. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

60. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison was made between the landed value of the product concerned and the average selling price of the domestic industry. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in or exported from the subject countries were imported in the Indian market at prices which were lower than the domestic industry selling prices. It is, thus, noted that imports of subject goods were undercutting the domestic.

61. The price undercutting is determined as below:

China PR

Particular	Units	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Landed price of imports	Rs/MT	20,821	21,022	26,712	27,923
Net Sales Realisation	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting (%)	%	***	***	***	***
Price Undercutting (% Range)	%	15-25	5-15	0-10	5-15

Korea RP

Particular	Units	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Landed price of imports	Rs/MT	-	***	***	***
Net Sales Realisation	Rs/MT	-	***	***	***
Price Undercutting	Rs/MT	-	***	***	***
Price Undercutting (%)	%	-	***	***	***
Price Undercutting (% Range)	%	-	0-10	5-15	0-10

EU

Particular	Units	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Landed price of imports	Rs/MT	23,556	21,329	23,922	26,090
Net Sales Realisation	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting (%)	%	***	***	***	***
Price Undercutting (% Range)	%	5-15	5-15	10-20	10-20

Ukraine

Particular	Units	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Landed price of imports	Rs/MT	23,953	-	24,656	26,829
Net Sales Realisation	Rs/MT	***	-	***	***
Price Undercutting	Rs/MT	***	-	***	***
Price Undercutting (%)	%	***	-	***	***
Price Undercutting (% Range)	%	0-10	-	5-15	10-20

Subject Countries

Particular	Units	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Landed price of imports	Rs/MT	22,389	21,318	24,716	27,132
Net Sales Realisation	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting (%)	%	***	***	***	***
Price Undercutting (% Range)	%	5-15	5-15	5-15	5-15

62. The Authority notes from the above that the landed prices of the subject goods were below the selling price of the domestic industry showing significant price undercutting being caused by the dumped imports from the subject countries.

63. The price underselling is determined as below:

S.No.	Particular	Units	China PR	Korea RP	EU	Ukraine
1	Non Injurious Price (NIP)	US\$/MT	***	***	***	***
2	Landed Price	US\$/MT	524.55	544.70	490.11	503.99
3	Price Underselling	US\$/MT	***	***	***	***
4	Price Underselling - %	%	***	***	***	***
5	Price Underselling Range	%	25-35	20-30	35-45	30-40

(b) Price Suppression and Depression

64. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The trends in this regard are summarized below:

Description	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>100</i>	<i>140</i>	<i>159</i>
Net Sales Realization	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>93</i>	<i>110</i>	<i>122</i>
Landed price of imports – subject countries as a whole	Rs/MT	***	***	***	***

65. It is noted that the net sales realization during the injury period has increased except in 2010-11. However, it is lower than the increase in the cost of sales during the same period. The landed value during the injury period except 2010-11 has also increased. However, the increase in landed value is far lower than the increase in the cost and selling price. Thus, dumped imports are causing suppressing effect on the prices of domestic industry.

G.3 Economic Parameters of the Domestic Industry

66. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting

domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:

a) Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales

67. Information on capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry has been as under:-

Description	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI	POI (annualized)
Plant Capacity	MT	44,000	44,000	44,000	55,000	44,000
Plant Production (SNI+SNA)*	MT	38,151	42,810	41,106	50,287	40,230
Plant Capacity Utilization	%	86.71	97.30	93.42	91.43	91.43
Production - PUC	MT	8,952	12,365	11,042	13,099	10,479
Domestic Sales Volume - PUC	MT	7,793	10,855	9,624	11,465	9,172

*SNI – Sodium Nitrite, SNA - Sodium Nitrate

68. The Authority notes that the product under consideration is jointly produced with sodium nitrite. Since the production facilities are common and the products are co-produced, capacity utilization has been examined by considering combined production of sodium nitrite and sodium nitrate. The petitioner has claimed that the capacity of 44,000 MT is combined capacity of both sodium nitrite and Sodium Nitrate. Therefore, for the purpose of evaluation of utilization of production capacities, the Authority has considered production of both sodium nitrite and sodium nitrate and determined capacity utilization.
69. It is noted from the above table that the domestic sales, production and capacity utilization of the domestic industry increased up to 2010-11 and declined thereafter.

b) Profits, Return on Capital Employed and Cash Profit

70. The profits, return on investment and cash flow of the domestic industry have been examined as under:

Description	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI (annualized)
1	2	3	4	5	6
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	100	140	159
Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	93	110	122
Profit/ Loss	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	(2)	(332)	(419)
Profit/ Loss	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	(3)	(410)	(493)
Profit before interest and tax	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	20	(295)	(348)
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	60	(236)	(287)
Return on Capital Employed (NFA basis)	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	17	(219)	(264)

71. The Authority notes from the above as under:

- (i) Both the net selling price and cost of sales of the domestic industry increased over the injury period. However, the increase in cost of sales of the domestic industry was much higher than the increase in the selling price. The profitability of the domestic industry declined throughout the injury period.
- (ii) As a result of decline in profits, the return on investment and cash profits declined significantly during the POI as compared to the base year as well as previous year. It is noted that the domestic industry had cash losses and negative return on capital employed during 2011-12 and the POI.

c) Employment and Wages

72. The status of employment levels and wages of the domestic industry has been as under:

Description	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI	POI (annualized)
Employment	Nos.	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	121	112	116	116
Salary and Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	182	213	196	156
Wage per unit	Rs./Kg	***	***	***	***	***

73. It is noted from the above that the employment level increased in 2010-11 and then declined and again increased in POI. It is further noted that there was increase in wages up to 2011-12 which declined in the POI. The wage per unit increased up to 2011-12 and declined in the POI.

d) Productivity

74. The productivity of the domestic industry is given in the following table:

Description	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Productivity Per Employee	MT	***	***	***	***
Productivity Per Day	MT	***	***	***	***

75. The Authority notes that the productivity per employee and the productivity per day increased in 2010-11 and thereafter declined.

e) Inventories

76. The Authority has examined the inventory level of the domestic industry which is given in the following table:-

Description	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	227	439	191

77. It is noted from the above table that the inventory of the domestic industry increased up to 2011-12 and declined in the POI.

f) Magnitude of Dumping

78. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject countries are above de minimis and significant.

g) Factors Affecting Domestic Prices

79. Consideration of the import prices from the subject countries and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market show that the landed value of imported material from the subject countries is below the selling price of the domestic industry causing significant price undercutting in the Indian market. Cost of production of the subject goods is

increasing as a result of increase in the costs on account of raw materials. The domestic industry has increased its prices. However, the price increases are less than cost increases. It is further noted that imports of subject goods from other countries are at much higher prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is the dumped imports of the subject goods from the subject countries.

h) Ability to Raise Capital

80. The Authority notes that the domestic industry is a multi-product company. The Petitioner has argued that given the current state of affairs where the product is consistently not performing well because of persistent dumping, any fresh investment is not envisaged.

i) Growth

81. With regard to the growth of the domestic industry, the position is as under:

Year by year growth	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Production	%	-	38.13	(10.70)	(5.10)
Domestic Sales	%	-	39.28	(11.34)	(4.69)
Cost of Sales	%	-	(***)	***	***
Selling Price	%	-	(***)	***	***
Profit per MT	%	-	(***)	(***)	(***)
Return on Investment (NFA)	%	-	(***)	(***)	(***)

82. The Authority notes that the production, sales volume, profits and the return on investment of the domestic industry show negative growth over the injury period. Overall growth of the domestic industry over the injury period was adverse.

G.4 Other Known Factors and Causal Link

83. As per the AD Rules, the Designated Authority is, inter alia, required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology, export performance and the productivity of the domestic industry. The Authority has examined whether other factors listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry.
84. The examination of causal link has been done as follows:
- (a) Imports from third countries and other known factors
85. The Authority notes that the volume of imports from the countries other than the subject countries has been insignificant in the injury period.
- (b) Contraction in demand and / or change in the pattern of consumption
86. There has been some decline in demand over the injury period. However, the domestic industry suffered injury primarily on account of dumped imports than on account of any change in the demand. From the available information, it is noted that the volume of dumped imports increased even when the demand declined.
- (c) Trade restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers
87. It is noted that there is a single market for the subject goods where dumped imports from the subject countries compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is also noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.
- (d) Developments in Technology
88. There is no allegation of developments in technology, nor has the investigation so far shown that possible injury to the domestic industry could have been caused by developments in technology.
- (e) Export performance
89. The Authority notes that the volume of exports of the petitioner company forms nearly 10% of the total sales of the product. However, the injury information pertains to the domestic performance of the

petitioner company. Therefore, the losses to the domestic industry during the injury period and the period of investigation cannot be attributed to possible deterioration in the export performance of the domestic industry.

(f) Productivity of the domestic industry

90. The Authority notes that the decline in productivity is attributed to decline in production caused by increase in the volume of dumped imports.
91. The Authority notes that while listed known other factors do not show that injury to the domestic industry has been caused by these factors, the following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports.
 - (a) There has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject countries at the absolute level. The market share of dumped imports from the subject countries in total imports of subject goods is nearly 100% in the POI.
 - (b) The imports were significantly undercutting the domestic prices. Resultantly, the price undercutting created price pressures on the domestic industry. Resultantly, profitability of the domestic industry deteriorated.
 - (c) The dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price suppression. As a result of significant price difference and inability of domestic industry to raise its prices in proportion to cost increases, the performance of the domestic industry deteriorated in terms of profits, cash profits and return on investments. Thus, the deterioration in performance of the domestic industry in respect of profits, cash flows and return on investment is due to dumping of the product in the Country.
 - (d) Growth of the domestic industry became negative in respect of volume and price parameters.
 - (e) Whereas volume of imports and its market share increased in 2010-11 and the investigation period, the domestic industry lost market share. Consequently, production, sales, capacity utilization of the domestic industry deteriorated.

G. 5 Conclusion on Injury and Causation

92. From the above examination of injury and causal link, it is noted that the market share of dumped imports in the total imports of subject goods in the POI has remained almost the same. The market share of the domestic industry during the same period has increased. However, the dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price suppression and price underselling. The situation of the domestic industry has shown a material deterioration over the injury period which was substantially due to dumped imports of the subject goods from the subject countries. There is significant decline in profits, return on capital employed and cash flow which establish that injury to the domestic industry was caused by dumped imports. In view of the same, the Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury and this injury has been caused significantly by price effects of dumped imports of the subject goods from the European Union, China PR, Ukraine and Korea RP.

Magnitude of injury and injury margin

93. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry taking into consideration the cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports from the subject countries to determine injury margin. The injury margins have been worked out as follows:

Injury Margin

S.No.	Particular	Units	China PR	Korea RP	EU	Ukraine
1	Non Injurious Price (NIP)	US\$/MT	***	***	***	***
2	Landed Price	US\$/MT	524.55	544.70	490.11	503.99
3	Injury Margin	US\$/MT	***	***	***	***
4	Injury Margin - %	%	***	***	***	***
5	Injury Margin Range	%	25-35	20-30	35-45	30-40

94. The level of dumping margins and injury margins, as determined, are considered significant.

H. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

95. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to reestablish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
96. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

CONCLUSION

97. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that the product under consideration, Sodium Nitrate, has been exported to India from the European Union, China, Ukraine and Korea RP below its associated normal value, thus, resulting in dumping of the product. The domestic industry has suffered material injury in respect of the subject goods. The material injury has been caused by the dumped imports from the European Union, China PR, Ukraine and Korea RP.

I. RECOMMENDATIONS

98. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and the causal link. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having provisionally established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional anti-dumping duty is required to offset dumping and consequent injury, pending completion of the investigation. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of provisional anti-dumping duty on imports of the subject goods from the European Union, China PR, Ukraine and Korea RP in the form and manner described hereunder.
99. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional anti-dumping duty as per amount specified in the table below is recommended to be imposed from the date of the Notification to be issued by the Central Government on all imports of the subject goods originating in or exported from the European Union, China PR, Ukraine and Korea RP.

Duty Table

S. No.	Heading/ Subheading	Description of goods	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	3102 50 00 & 2834	Sodium Nitrate	China PR	China PR	Any	Any	0.15	Kg	USD
2	3102 50 00 & 2834	Sodium Nitrate	China PR	Any	Any	Any	0.15	Kg	USD
3	3102 50 00 & 2834	Sodium Nitrate	Any country other than the subject countries	China PR	Any	Any	0.15	Kg	USD
4	3102 50 00 & 2834	Sodium Nitrate	European Union	European Union	Any	Any	0.19	Kg	USD

5	3102 50 00 & 2834	Sodium Nitrate	European Union	Any	Any	Any	0.19	Kg	USD
6	3102 50 00 & 2834	Sodium Nitrate	Any country other than the subject countries	European Union	Any	Any	0.19	Kg	USD
7	3102 50 00 & 2834	Sodium Nitrate	Ukraine	Ukraine	Any	Any	0.17	Kg	USD
8	3102 50 00 & 2834	Sodium Nitrate	Ukraine	Any	Any	Any	0.17	Kg	USD
9	3102 50 00 & 2834	Sodium Nitrate	Any country other than the subject countries	Ukraine	Any	Any	0.17	Kg	USD
10	3102 50 00 & 2834	Sodium Nitrate	Korea RP	Korea RP	Any	Any	0.13	Kg	USD
11	3102 50 00 & 2834	Sodium Nitrate	Korea RP	Any	Any	Any	0.13	Kg	USD
12	3102 50 00 & 2834	Sodium Nitrate	Any country other than the subject countries	Korea RP	Any	Any	0.13	Kg	USD

J. Further Procedure

100. The following procedure will be followed subsequent to notification of the preliminary findings by the Central Government:—

- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered to the extent deemed necessary in the final findings;
- The exporters, the importers, the applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of these Preliminary Findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- The Authority would hold an oral hearing to hear the views of various interested parties;
- The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary; and
- The Authority would disclose essential facts as per the AD Rules before announcing the Final Findings.

J. S. DEEPAK, Designated Authority